मिशन शिक्षण संवाद

Types of pronoun

2) POSSESSIVE PRONOUN (स्वत्वबोधक सर्वनाम)
The pronoun which shows the possession or ownership is called possessive pronoun. (वैसा सर्वनाम जिसमे स्वयं के भाव का बोध हो उसे कहते है)
For example :like my, mine, hers, yours etc
This is my house. (यह मेरा घर है।)
This is my book. (यह मेरी किताब है।)

3) REFLEXIVE PRONOUN (निजवाचक सर्वनाम)
A reflexive pronoun is the action performed by the subject is on the subject itself. (वैसा सर्वनाम जिसमे निजत्व का बोघ हो और अधिपत्य का अहसास कराता हो उसे निजवाचक सर्वनाम कहते है)
for example: yourself, myself.
I will do it myself. (यह मैं खुद करूंगा।)
You have hurt yourself. (तुम अपने आप को चोट पहुँचाई है ।)

4) RELATIVE PRONOUN (संबंधवाचक सर्वनाम)
Relative pronoun are used to relate two clauses which share a common word. (कुछ ऐसे सर्वनाम जो सबंध का बोध कराता हो उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते है)
for example:that, who, which etc
The man is standing there. That man is my brother (जो आदमी खड़ा है। वो आदमी मेरा भाई है।)

Exercise

Find the Pronoun and name them

1Let them go there themselves.
2.The book which you gave is lost.
3.His book is the same as mine.
4.He queen herself gave me this present.

Answer

Ans 1.First person, second person and third person.
Ans 2.Second person.

Made by- Upasna Tyagi P. S. Bopara Muzaffarnagar 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

TYPES OF PRONOUN

5) DEMONSTRATIVE PRONOUN (निश्चयवाचक सर्वनाम)
In this type of pronoun, we often use the words such as 'this', 'that'. It indicates the object that we try to describe. (कुछ ऐसे सर्वनाम जो निश्चितता की भावना का बोध कराता हो उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है)

For Example:This (यह)

That (वह)

This is my book. (यह मेरी किताब है।)

That is your pen. (वह तुम्हारा कलम है।)

6) INDEFINITE PRONOUN (अनिश्चयवाचक सर्वनाम)
The pronouns used in the sentence which do not refer to any particular person or object. Pronouns that are used in a general way are called as indefinite pronoun.
(वैसे सर्वनाम जो अनिश्चय की स्थिति का बोध कराता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है)

Any (कोई)

Something (कुछ)

For Example:I need some money (मुझे कुछ पैसे चाहिए।)

Someone at the door (दरवाजे पर कोई है।)

Exercise

Q. 1 What is Demonstrative Pronoun?
Q. 2 What kinds of words we put in the category of Indefinite Pronoun?

Answer

1. Themselves - Reflexive Pronoun.
2. Which - Relative pronoun.
3. His Possessive Pronoun.
4. Herself - Reflexive Pronoun.

Made by- Upasna Tyagi P. S. Bopara Muzaffarnagar 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

Types of pronoun

7) INTERROGATIVE PRONOUN (प्रश्नवाचक सर्वनाम)

The pronouns that are used for asking questions is known as interrogative pronoun. (वैसे सर्वनाम जो प्रश्न पूछने मे उपयोग करते है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है)

For Example:Who (कौन)

Which (कौन सा)

Where (कहॉ)

What (क्या) etc (आदि).

Who are you? (आप कौन हैं?)

Where are you? (आप कहां हैं?)

What are you doing? (आप क्या कर रहे हैं?)

8) DISTRIBUTIVE PRONOUN (वितरणवाचक सर्वनाम)

The pronoun which refers to the person or things taken one at a time is called as distributive pronoun. (वैसे सर्वनाम जो एक समय मे एक व्यक्ति या वस्तु का बोध कराता है उसे वितरणवाचक सर्वनाम कहते है)

For Example:Either (या तो)

Neither (न तो)

Each (प्रत्येक)

Each of these boys deserved a reward (इन लड़को में से प्रत्येक इनाम का हकदार है।)

We may go either today or tomorrow. (हम आज या तो कल जा सकते है।)

Exercise

Q. 1 What is Interrogative Pronoun?
Q. 2 What is Distributive Pronoun?

Answer

Ans 1.In this type of pronoun, we often use the words such as 'this', 'that'. It indicates the object that we try to describe.
Ans 2.Any, some, something etc.

Made by- Upasna Tyagi P. S. Bopara Muzaffarnagar 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

योग

2. हलासन

विधि-

1. सर्व प्रथम पीठ के बल लेट जायें और पैरों को परस्पर मिलाकर फैला लें।
2. साँस धीरे-धीरे अन्दर की ओर खींचते हुए पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठायें।
3. दोनों हाथों की हथेलियों को बगल में जमाए रखें।
4. पैरों को घुटनों से बिना मोड़े पीछे की ओर ले आइये।
5. पैरों की उंगलियों को जमीन से स्पर्श करायें।
6. इस अवस्था में घुटने और पैर एक सीध में हांगे।

लाभ-

1. यह मेरू दण्ड को लचीला बना देता है तथा कब्ज को दूर कर पाचन शक्ति को बढ़ा देता है।
3. इसके अभ्यास से अकड़े हुए कन्धे, कोहनी, गठिया एवं पीठ दर्द ठीक हो जाता है।

विशेष निर्देश - हृदय रोगी, स्लिप डिस्क, स्पॉण्डलाइटिस के रोगी न करें।

3.कोणासन

विधि-

1. सर्व प्रथम अपने दोनों पैरों को अगल-बगल फैलाकर खड़े हो जायें। तत्पश्चात दायें हाथ को सिर के ऊपर ले जाते हुए जमीन के समान्तर सीधा रखें।
2. कमर का हिस्सा आगे-पीछे नहीं होना चाहिए।
3. इस आसन को 10 सेकेण्ड तक 4-5 बार कर सकते हैं।

लाभ-

1. इससे सीने का दर्द और पीठ का दर्द दूर हो जाता है तथा मानसिक तनावों से मुक्ति मिलती है।
2. इसके अभ्यास से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आ जाता है।

अभ्यास कार्य

1. हलासन और कोणासन का अभ्यास करें

मिशन शिक्षण संवाद

योग

4. धनुरासन

विधि

1.पेट के बल लेट जाएँ। घुटनों से पैरों को मोड़ कर एड़ियाँ नितम्ब के ऊपर रखें। दोनों पैरों के घुटने एवं पंजे आपस में चित्रानुसार मिले हुए हों। 2. दोनों हाथों से पैरों को टखनों के पास से पकड़िये।

3. श्वास अन्दर भरकर घुटनों एवं जंघों को क्रमशः उठाते हुये ऊपर की ओर तानें, हाथ सीधे रहें। पिछले हिस्से के उठने के पश्चात पेट के ऊपरी भाग, छाती, गर्दन एवं सिर को भी ऊपर उठाइए। नाभि एवं पेट के आस-पास का भाग भूमि पर ही टिका रहे। शेष भाग ऊपर उठा होना चाहिए। शरीर की आकृति तने हुए धनुष के समान हो जाएगी। इस स्थिति में दस से तीस सेकेण्ड तक रहें।

4. श्वास छोड़ते हुये क्रमशः पूर्व स्थिति में आ जाइए। तीन-चार बार तक इस आसन को करें।

लाभ

1.मांसपेशियाँ और जोड़ मजबूत होते हैं तथा रीढ़ की हड्डी लचीली होती है।

2. पेट की स्थूलता कम होती है तथा पाचन शक्ति सुदृढ़ तथा गले के रोग नष्ट होते हैं।

विशेष निर्देश -हृदय रोग, उच्च रक्तचाप तथा कमर दर्द से ग्रसित रोगी यह आसन न करें।

5.चक्रासन

विधि

1.पीठ के बल लेट कर घुटनों को मोड़िए। एड़ियाँ नितम्बों के समीप लगी हुई हों।

2. दोनों हाथों को उल्टा करके कंधों के पीछे थोड़े अन्तर पर रखें इससे सन्तुलन बना रहता है।

3. श्वास अन्दर भरकर कमर एवं छाती को पीछे की ओर ले जाकर ऊपर उठाइए।

4. धीरे-धीरे हाथ एवं पैरों को समीप लाने का प्रयत्न करें, जिससे शरीर की चक्र जैसी आकृति बन जाए।

5. आसन छोड़ते समय शरीर को ढीला करते हुए कमर भूमि पर टिका दें। इस प्रकार 3-4 बार करें।

लाभ

1.पेट की चर्बी को घटाता है, रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, मांसपेशियों को मज़बूत एवं आँतों को सक्रिय करता है।

विशेष निर्देश - पेट में सूजन, उच्च रक्तचाप, कमर दर्द, हार्निया तथा नेत्र दोष के रोगी इस आसन को न करें।

अभ्यास कार्य

1. धनुरासन और चक्रासन से क्या लाभ है?
2. दोनों आसन का अभ्यास करें।

मिशन शिक्षण संवाद

योग

6. सर्वांगासन

विधि

1. पीठ के बल सीधा लेट जाएँ। पैर मिले हुए हों, हाथों को दोनों ओर बगल में सटाकर हथेलियाँ जमीन की ओर करके रखें।
2. श्वास अन्दर भरकर पैरों को धीरे-धीरे 30 अंश फिर 60 अंश और अन्त में 90 अंश तक उठाएँ। पैरों को उठाते समय हाथों से सहायता ले सकते हैं। इसके बाद लगभग 120 डिग्री पर पैर ले जाएँ। हाथों को कमर के पीछे लगाएं, कोहनियाँ भूमि पर टिकी हुई हों और पैरों को मिलाकर सीधा रखें। पंजे ऊपर की ओर तने हुए एवं आँखें बंद हों अथवा पैर के अँगूठों पर दृष्टि रखें।
3. पुनः पैरों को सीधा रखते हुए पीछे की ओर थोड़ा झुकाएँ। दोनों हाथों को कमर से हटाकर भूमि पर सीधा कर दें। अब हथेलियों से भूमि को दबाते हुए जिस क्रम से उठे थे उसी क्रम से धीरे-धीरे पहले पीठ और फिर पैरों को भूमि पर सीधा करें। जितने समय तक सर्वांगासन किया जाए, लगभग उतने ही समय तक शवासन में विश्राम करें।

लाभ

1. थायरॉइड तथा पीयूष ग्रन्थि को सक्रिय एवं स्वस्थ बनाता है एवं दमा के लिए भी उपयोगी है।

विशेष निर्देश - उच्च रक्तचाप, तीव्र कमर दर्द तथा हृदय रोगी यह आसन न करें।

7. पश्चिमोत्तानासन

विधि

1. दण्डासन में बैठ कर दोनों हाथों के अँगूठों व तर्जनी की सहायता से पैरों के अँगूठों को पकड़िये।
2. श्वास बाहर निकाल कर सामने झुकते हुए सिर को घुटनों के बीच लगाने का प्रयत्न कीजिए। घुटने-पैर सीधे भूमि पर लगे हुए तथा कोहनियाँ भी भूमि पर टिकी हुई हों। इस स्थिति में शक्ति के अनुसार आधे से तीन मिनट तक रहें। फिर श्वास छोड़ते हुए वापस सामान्य स्थिति में आ जाएँ।

लाभ-

सभी माँसपेशियाँ पुष्ट एवं मजबूत होती हंै तथा कद की वृद्धि होती है।

विशेष निर्देश -हृदय रोगी, तीव्र कमर दर्द तथा पेट के ऑपरेशन के रोगी इस आसन को न करें।

1. दोनों आसन से क्या लाभ है?
2. दोनों आसन का अभ्यास करें।

अभ्यास कार्य

उत्तरमाला -15

1. मांसपेशियाँ और जोड़ मजबूत होते हैं तथा रीढ़ की हड्डी लचीली होती है।
2. पेट की चर्बी को घटाता है, रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, मांसपेशियों को मज़बूत एवं आँतों को सक्रिय करता है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- मिशन शिक्षण संवाद

विषय- चित्रकला

पाठ- गुड़हल का फूल

कक्षा -UPS

प्रकरण-चित्रण ,रंग

क्रमांक - 23

मिशन शिक्षण संवाद

आज एक सुन्दर गुड़हल का फूल बनाएंगें ।

1

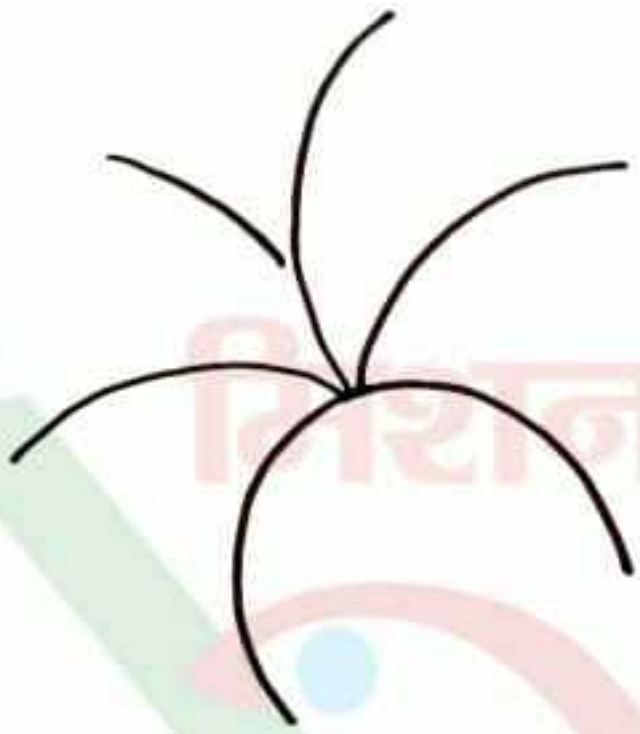

2

3

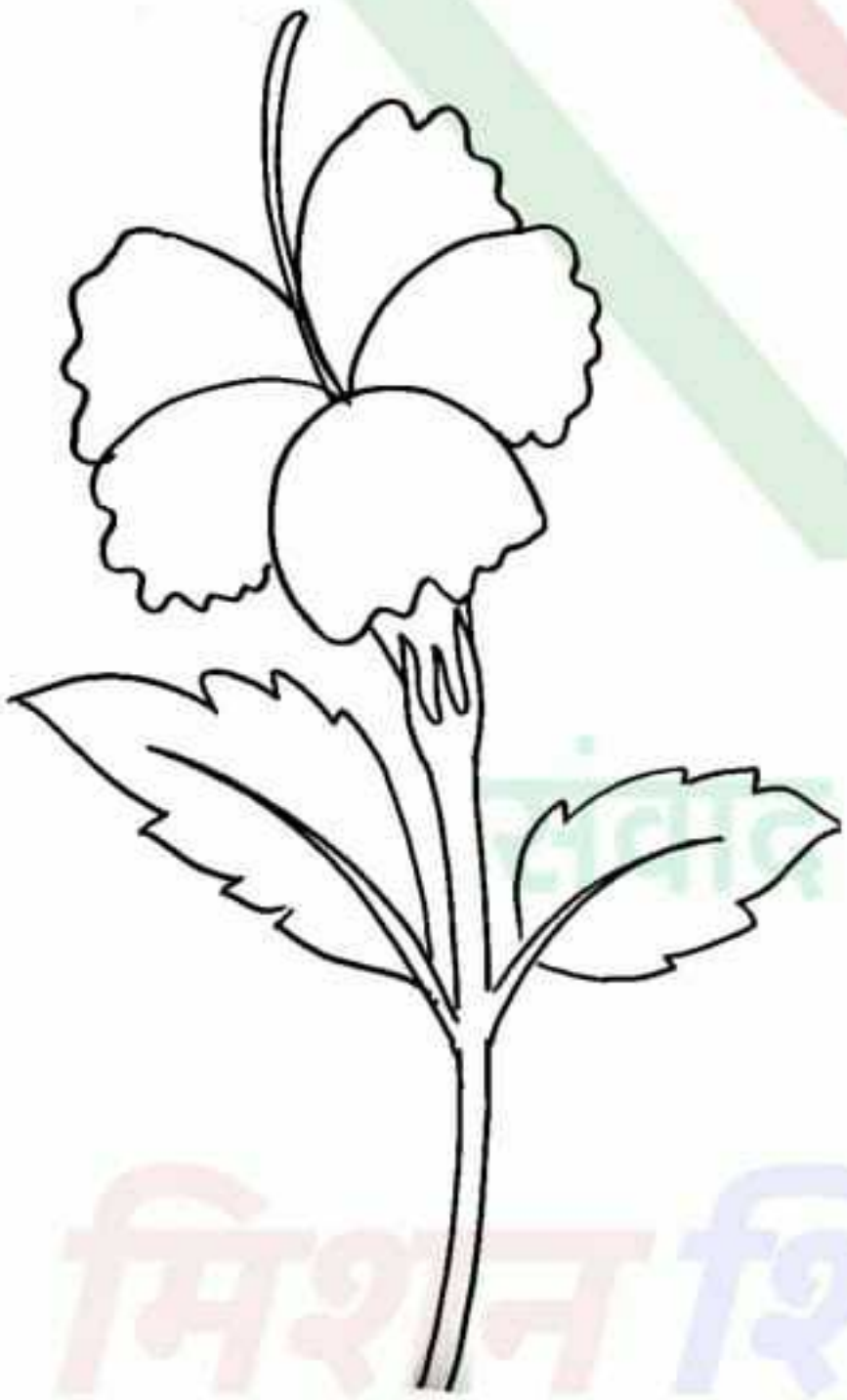

4

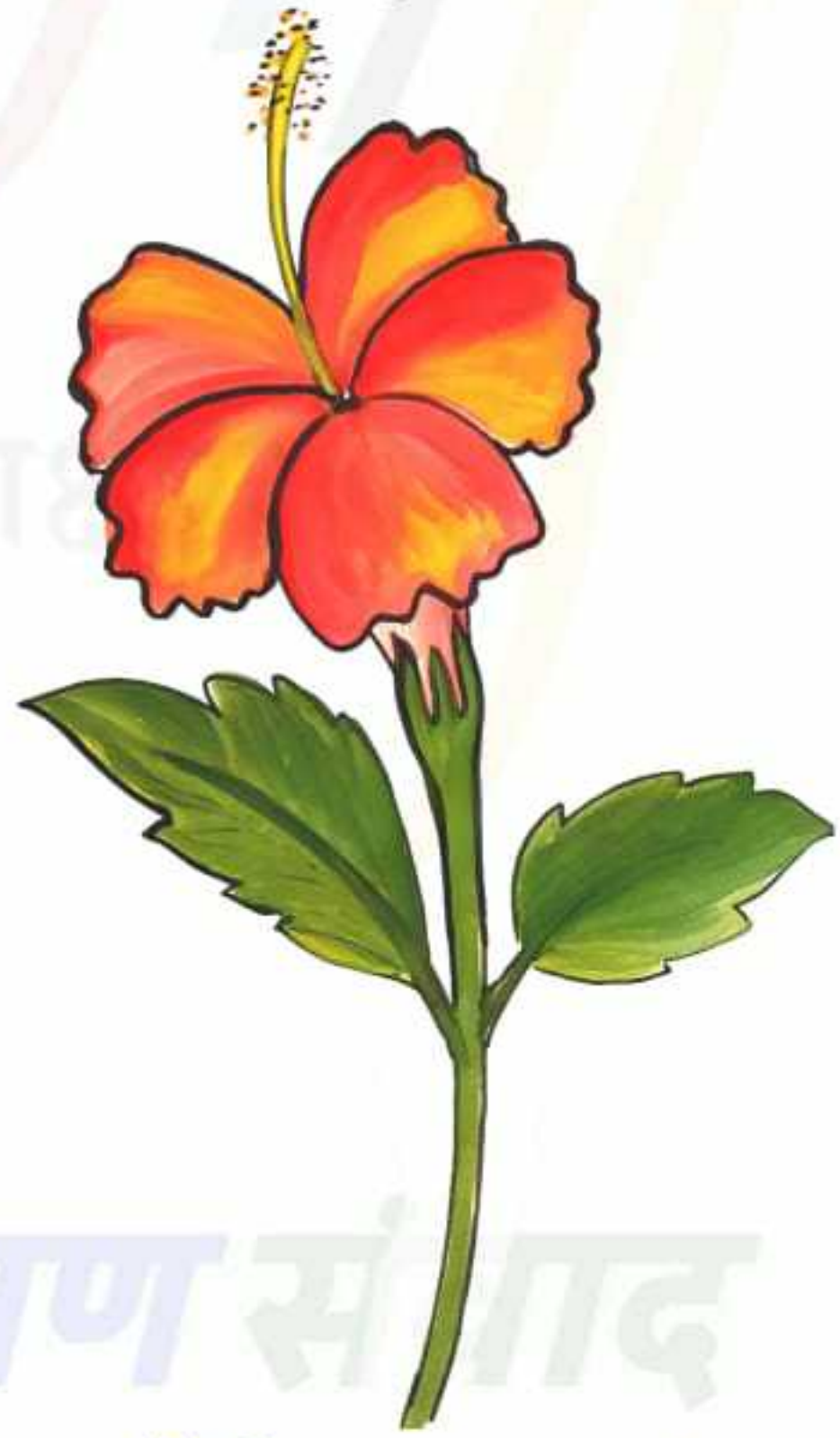

केवल अन्तिम रंगीन चित्र कॉपी पर बनाएं।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह(प्राथमिक विद्यालय इमरता) 9458278429

विषय- चित्रकला पाठ-गुलाब कक्षा -6,7,8

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक- 23

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों, प्यारा सा गुलाब बनायें।

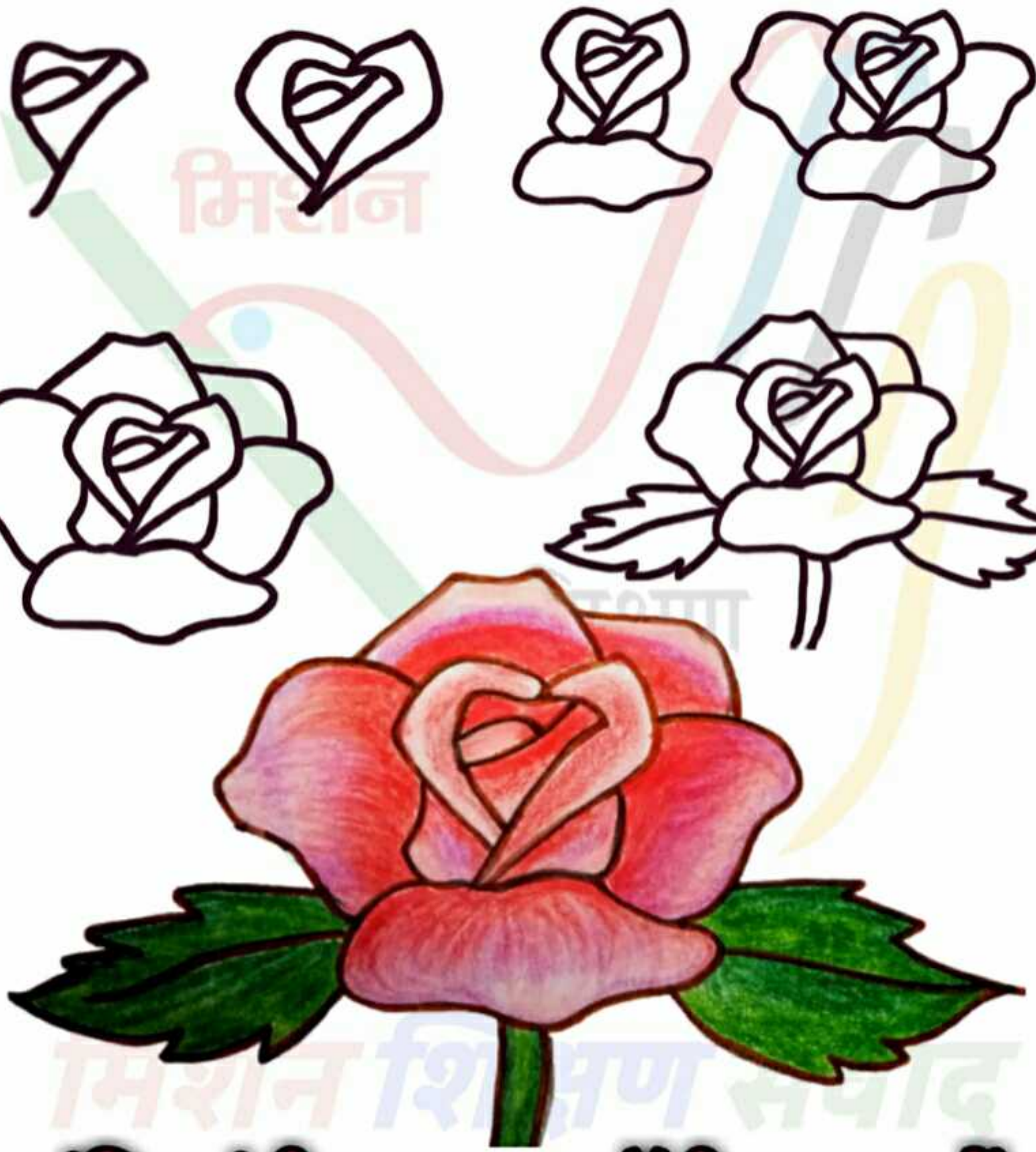

अंतिम रंगीन गुलाब कॉपी पर बनायें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

विषय- चित्रकला पाठ-गणेश जी कक्षा -6,7,8

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक- 24

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों,XYZ से गणेश जी बनायें।

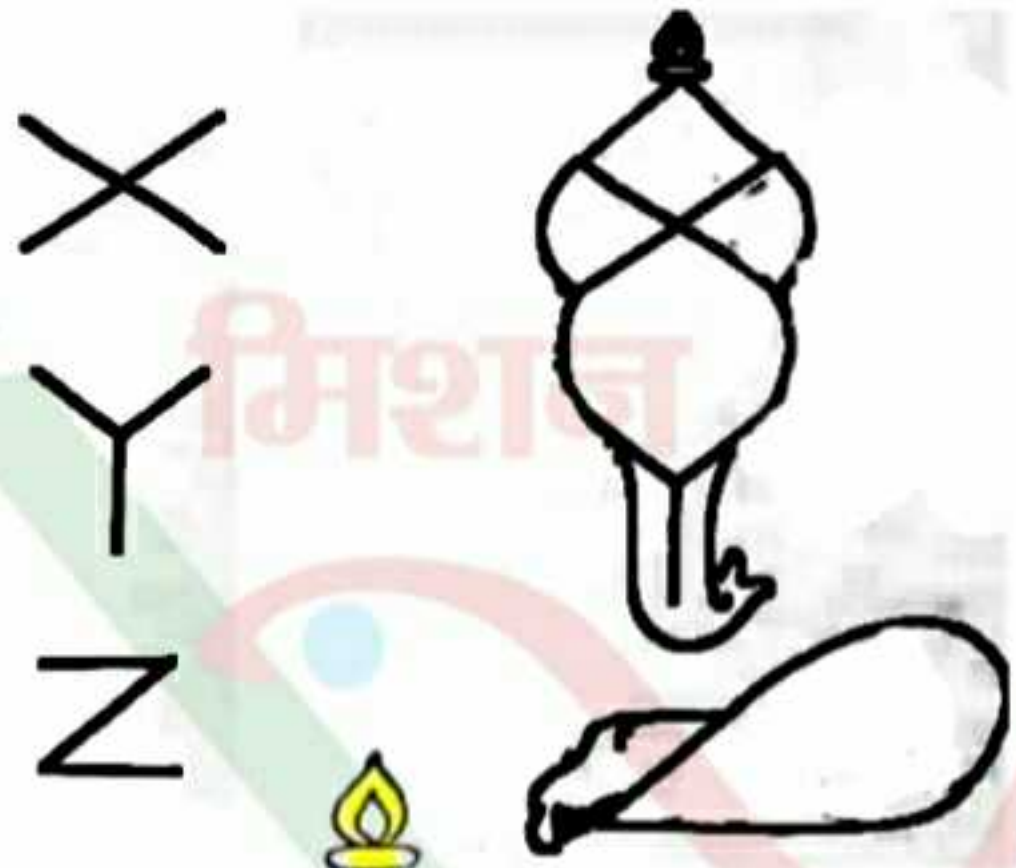

केवल रंगीन गणेश जी कॉपी पर बनायें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

विषय- चित्रकला | पाठ- कनेर का फूल | कक्षा -UPS

प्रकरण-चित्रण ,रंग | क्रमांक - 25

मिशन शिक्षण संवाद

आज एक सुन्दर कनेर का फूल बनाएंगें।

केवल अन्तिम रंगीन चित्र कॉपी पर बनाएं।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह(प्राथमिक विद्यालय इमरता)

विषय- कला पाठ- फूल कक्षा 6,7,8

प्रकरण- आर्ट/कॉफ्ट क्रमांक- 25

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों कुछ नया बनायें।

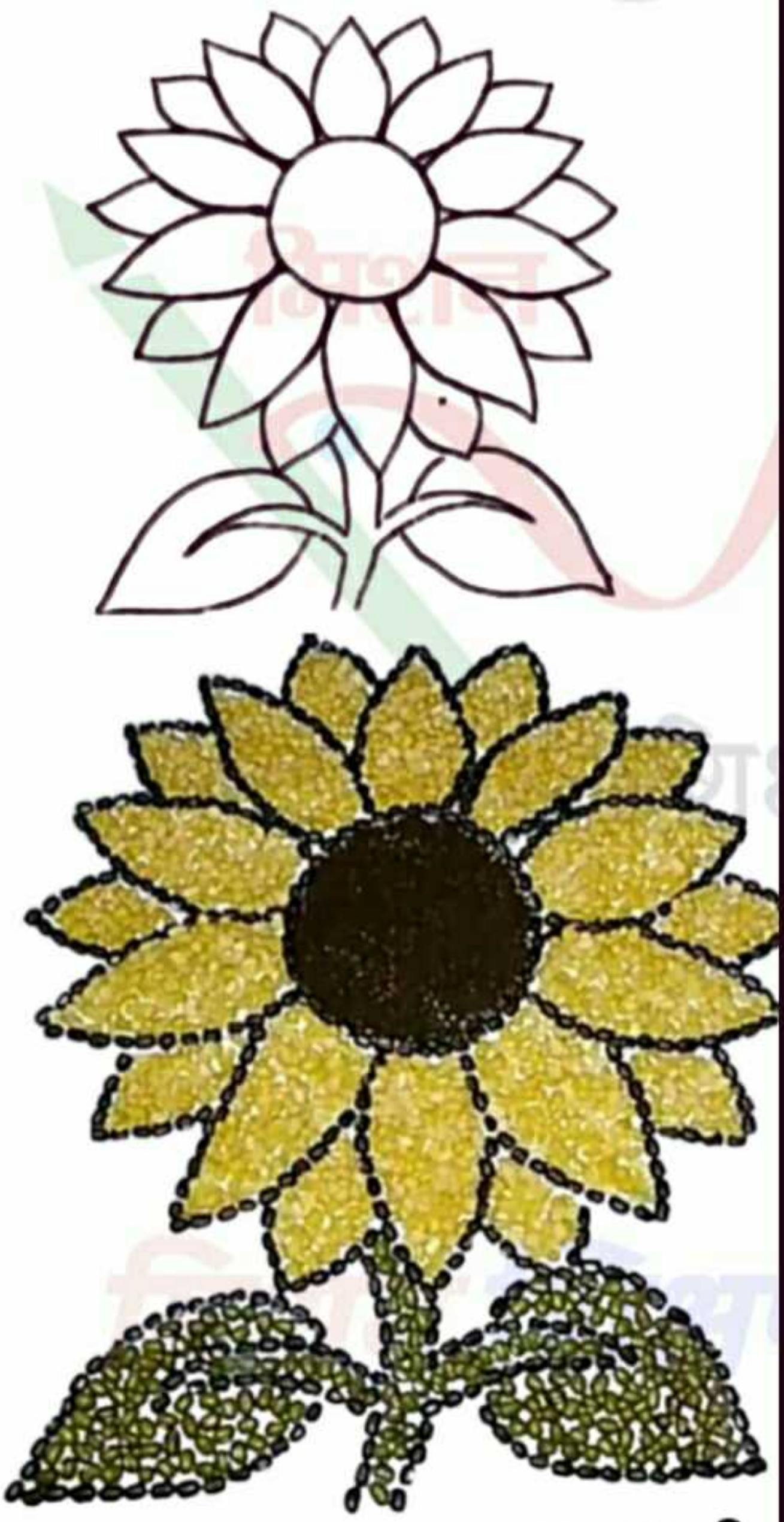

आवश्यक सामग्री--

पैंसिल,रबर,
फेविकोल,
घर मे उपलब्ध दालें।

विधी--

सबसे पहले पैंसिल की सहायता से फूल का चित्र बना लेते हैं। फिर चित्र के अनुसार फेविकॉल लगाकर काली दाल से आउटलाइन करके पीली दाल अंदर चिपका देते हैं पत्तियों मे हरी दाल चिपका कर चित्र को पूरा करते हैं।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्र०अ०फुगाना-2मुजफ्फरनगर

मिशन शिक्षण संवाद

अव्ययी भाव समास (Adverbial compound)

निम्नलिखित समस्त पदों तथा उनके विग्रहों पर ध्यान दीजिए-

क- आजीवन-जीवन भर
ख- यथा शक्ति-शक्ति के अनुसार
ग-प्रतिदिन-प्रत्येक दिन
घ- भरपेट- पेट भरकर

इन सभी पदों का पहला पद 'आ', ' यथा'
'प्रति' 'भर' अव्यय हैं।
इन अव्ययों के योग से सम्पूर्ण पद अव्यय बन गया है।

जिस समास में पहला पद (पूर्वपद) अव्यय तथा प्रधान हो,उसे अव्ययी भाव समास कहते हैं।

अव्ययी भाव समास के अन्य उदाहरण-

क- यथाविधि- विधि के अनुसार
ख- यथासमय-समय के अनुसार
ग-- अनुरूप- रूप के योग्य
घ- प्रतिकूल-इच्छा के विरुद्ध
ड़- आमरण- मरने तक
च- रातों-रात-रात ही रात में

गृहकार्य-
👉 अव्ययी भाव समास को उदाहरण सहित पढ़िए और उत्तर दीजिए।
👉 प्रतिकूल व हाथों-हाथ समास का विग्रह करें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास- जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो और विग्रह करते समय प्रथमा और सम्बोधन को छोड़कर अन्य सभी विभक्तियों का लोप हो जाता है, वह तत्पुरुष समास कहलाता है।

(क) कर्म तत्पुरुष-(को- विभक्ति का लोप)

ग्रामगत-ग्राम को गत(गया हुआ)

माखनचोर- माखन को चुराने वालों

मरणासन्न-मरण को आसन्न(पहुँचा हुआ)

सर्वप्रिय-सब को प्रिय

(ख) करण तत्पुरुष समास(विभक्ति 'से','के द्वारा का लोप)

रोगमुक्त-रोग से मुक्ति

कुलोत्तम- कुल से उत्तम

तुलसीकृत- तुलसी द्वारा कृत

रेखांकित-रेखा से अंकित

मनगढ़ंत- मन से गढ़ा हुआ

3-सम्प्रदान कारक-परसर्ग 'के लिए' या 'को' लोप-

परीक्षा केन्द्र - परीक्षा के लिए केन्द्र

हथकड़ी- हाथ के लिए कड़ी

देशभक्ति - देश के लिए भक्ति

विद्यालय - विद्या के लिए आलय

गृहकार्य-

👉 समास की परिभाषा उदाहरण सहित याद करें।

👉 तत्पुरुष समास को समझें व याद करके लिखें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

रचनात्मक गतिविधि

शब्द खेल-

👉 कक्षा में चार-चार छात्रों का समूह बनाइये।

👉 प्रत्येक छात्र छोटी-छोटी पर्ची बनाए।

👉 हर पर्ची में उपसर्ग और मूल शब्द लिखें।

👉 अब पर्चियों को एक काँच के जार में इकट्ठा कर लीजिए।

👉 अब बच्चे आकर एक- एक पर्ची उठायेगें और लिखे गए उपसर्ग व मूल शब्द को शुद्ध व तेज उच्चारण के साथ पढ़े।

👉 यहाँ हम बच्चे को संस्कृत शब्दों के साथ-साथ उसके हिन्दी शब्द भी सिखा सकते हैं।

👉 उपसर्ग तो निश्चय ही वह इस विधि से समझ लेगा।

शब्द खेल से लाभ-

👉 बौद्धिक क्षमता का खेल-खेल में विकास।

👉 सरलतम तरीके उपसर्ग समझ में आ जाना।

👉 कल्पना शक्ति का विकास

👉 शनिवार के दिन बाल सभा में भी ये शब्द ज्ञान सहायक है।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj 9458278429

विषय- **पर्यावरण** पाठ- पर्यावरण असन्तुलन कक्षा -6,7,8

प्रकरण- **वन** क्रमांक- **22**

मिशन शिक्षण संवाद

वन हमारे रक्षक

जड़ी-बूटियाँ

1- वनों से हमें इमारती लकडियाँ,जड़ी बूटियाँ और उद्योगों के लिए कच्चा माल मिलता है।
2- वन्यजीवों का वास स्थान भी वन ही है।
3- वृक्षों की लोग पूजा करते हैं।
4- वनों से आदिवासी अपनी जीविका चलाते हैं।
5- वन हवा को साफ़ रखते हैं।
6- वनों से हमें ईधन के लिए लकड़ी मिलती है।
7- अनेक वृक्षों की लोग पूजा भी करते हैं।

वन्य जीवों का वास-स्थान

हम वनों के भक्षक

जनसंख्या बढ़ने के कारण वनों को काटकर घर व मार्ग बनाए जा रहे हैं। इससे वन नष्ट होते जा रहे हैं और अनेक प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो गई है। वनों को काटने से भूमि का कटाव बढ़ गया है। भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो गई है दुर्लभ पशु-पक्षियों एवं वनस्पतियों की प्रजातियाँ विलुप्त होती जा रही है।

वनों की कटाई

गृहकार्य

खाली जगह भरिये।
1- वनों से हमें _____ लकड़ियाँ मिलती हैं।
2-वन्यजीवों का वास-स्थान _____ हैं।
3- वन _____ को साफ़ रखते हैं।
4- वनों को काटकर _____ और _____ बनाये जा रहे हैं।
5- वनों को काटने से _____ का कटाव बढ़ रहा है।

उत्तरमाला क्रमांक 21

चित्र हमारे पर्यावरण की जनसंख्या वृद्धि की समस्या को संकेत कर रहा है

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाजीपुर) 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

जनसंख्या वृद्धि का अर्थ

लोगों की संख्या बढने के कारण हमारे प्राकृतिक संसाधन कम पडने लगते हैं तो हम इसे जनसंख्या वृद्धि कहते हैं । जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ता है और आज का पर्यावरण प्रदूषण भी जनसंख्या वृद्धि की ही देन है।

जनसंख्या वृद्धि का कारण

भारत में आबादी बढ़ने के दो प्रमुख आम कारण हैं:
– जन्म दर का प्रतिशत मृत्यु दर से अधिक होना। हमने मृत्यु दर के प्रतिशत को तो सफलतापूर्वक कम दर दिया है पर यही कार्य जन्म दर के बारे में नहीं किया जा सकता।
– विभिन्न जनसंख्या नीतियों और अन्य उपायों से प्रजनन दर कम तो हुई है पर फिर भी यह दूसरे देशों के मुकाबले बहुत अधिक है।

जनसंख्या वृद्धि पर माल्थस के विचार

माल्थस के अनुसार खाद्य सामग्री में वृद्धि सदैव अंकगणितीय क्रम (जैसे 1,2,3,4,5.....) में होती है जबकि जनसंख्या वृद्धि सदैव ज्यामितीय क्रम (जैसे 2, 4, 8, 16....) में होती है।

हमारी मूलभूत आवश्यकताएं एवं जनसंख्या वृद्धि का असर

हमारी मूलभूत आवश्यकताएं हैं 1-रोटी 2- कपड़ा 3- मकान। जनसंख्या वृद्धि का इन बुरा प्रभाव पड़ता है।जनसंख्या के बढ़ने के कारण आज खाने के लिए भोजन की कमी और रहने के लिए आवास छोटे होते जा रहे हैं ।हमारी पृथ्वी कंक्रीट के जंगल में बदलती जा रही है । लोगों का जीवनस्तर भी गिरता जा रहा है ।

अभ्यास कार्य

1- जनसंख्या वृद्धि ____क्रम में होती है ।
2- खाद्यान्न वृद्धि _____क्रम में होती है ।
3- जनसंख्या वृद्धि से ____ में कमी होती है ।
4-जनसंख्या वृद्धि से हमारा ______ प्रभावित होता है ।

उत्तर माला पेज-22

1-इमारती, 2- वन, 3-वायु,
4-खेत और मकान, 5- भूमि

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शीला सिंह (गाजीपुर) शबनम तौकीर (लखनऊ)

व्यञ्जन (हल्) Consonants

व्यञ्जन- जो वर्णों के उच्चारण करने में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, व्यञ्जन कहलाते हैं।व्यञ्जन 33 होते हैं।व्यञ्जनों को भी तीन भागों में बाँटा गया है-

(क) स्पर्श व्यञ्जन

(ख) अंत:स्थ व्यञ्जन

(ग) ऊष्म व्यञ्जन

(क) स्पर्श व्यञ्जन- वर्णमाला में 'क' से लेकर ' म' तक के व्यञ्जन स्पर्श व्यञ्जन कहलाते हैं। इन्हें पाँच वर्गों में बाँटा गया है। प्रत्येक वर्ग में पाँच वर्ण होते हैं। प्रत्येक वर्ग के प्रथम वर्ण के नाम पर उस वर्ग का नाम रखा गया है; जैसे-

'क' वर्ग, 'च' वर्ग, 'ट' वर्ग, ' त' वर्ग, 'प' वर्ग।

वर्ग (Class)	व्यञ्जन (Consonants)
क वर्ग-	क् ख् ग् घ् ङ
च वर्ग-	च् छ् ज् झ् ञ्
ट वर्ग-	ट् ठ् ड् ढ् ण्
त वर्ग-	त् थ् द् ध् न्
प वर्ग-	प् फ् ब् भ् म्

(ख) अन्त:स्थ व्यञ्जन-

जिन व्यञ्जन वर्णों के उच्चारण में श्वास का अवरोध कम होता है तथा जिह्वा मुख के किसी भाग का स्पर्श नहीं करती,उन्हें अन्त:स्थ व्यञ्जन माना जाता है-

य् र् ल् व्

(ग) ऊष्म व्यञ्जन-

जिन वर्णों के उच्चारण के समय मुख बे गर्म वायु निकलती है,उन्हें ऊष्म व्यञ्जन माना जाता है-

श् ष् स् ह्

(ग) संयुक्त व्यञ्जन- एक से अधिक व्यञ्जनों के मेल से बने व्यञ्जनों को संयुक्त व्यञ्जन कहते हैं।

क्ष - क् + ष् = कक्षा, दीक्षा

त्र - त् + र् = मित्र, शत्रु

ज्ञ - ज् + ञ् = ज्ञानी, विज्ञान

द्य - द् + य् = विद्या, विद्यार्थी

श्र - श् + र् = श्रमिक, श्रम

अभ्यास: (Exercise)

1- वर्णमाला को क्रम से याद करके उत्तर पुस्तिका पर लिखेंगें।

2- ऐसे तीन शब्द लिखेंगें जिनमें 'ण' का प्रयोग हुआ हो।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj

विषय- संस्कृत व्याकरणम्　पाठ-　कक्षा -6, 7, 8

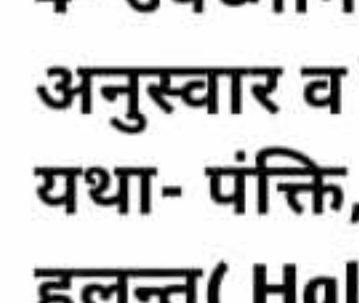

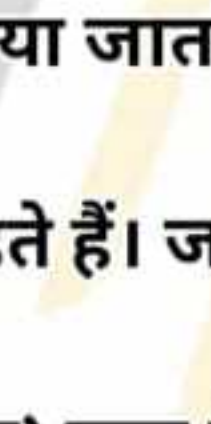

प्रकरण- अयोगवाह　क्रमांक- 07

मिशन शिक्षण संवाद

अयोगवाह(Improper letters)

स्वर व व्यञ्जन वर्णों के अलावा'अयोगवाह' वर्णों का प्रयोग भी देखा जाता है। इसके अन्तर्गत अनुस्वार, विसर्ग , जिह्वमूलीय और उपध्मानीय ये वर्ण आते हैं।

1- अनुस्वार

2- विसर्ग (:)

3- जिह्वमूलीय-क

4- उपध्मानीय-प

अनुस्वार व विसर्ग को किसी न किसी वर्ण के साथ प्रयोग किया जाता है।
यथा- पंक्ति, संयम, गतः, अतः आदि।

हलन्त(Halant)- संस्कृत भाषा में व्यञ्जन को 'हल्' भी कहते हैं। जब व्यञ्जन में कोई स्वर नहीं मिला होता
है तो स्वर रहित लिखने में उसके नीचे एक तिरछी रेखा (नमन्) लगा दी जाती है।इस रेखा को 'हलन्त वर्ण' भी कहते हैं; उदाहरण- क्, ख्, ग्, घ, आदि।

व्यञ्जनों में स्वरों का समावेश- व्यञ्जनों में जब स्वर मिलते हैं तो हलंत का लोप हो जाता है।

देखें! विभिन्न स्वरों के साथ व्यञ्जनों को निम्नवत् लिखा जा सकता है--

क् + अ = क , क् +आ =का, क्+ इ=कि,

क् + ई= की, क् +उ = कु, क् + = कू, क् + ऋ = कृ, क् + ॠ = कॄ, क् + लृ = क्लृ,

क् + ए = के, क् + ऐ = कै, क्

+ ओ = को, क् + औ = कौ

विशेष- स्वर 'लृ' का प्रयोग अब प्रायः समाप्त हो गया है।

क्रमांक 06 का उत्तर

प्रण, प्रणाम, वीणा

गृहकार्यः

👉 क्ष, त्र, ज्ञ व्यञ्जनों के तीन-तीन शब्द लिखिये।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षितkabu Kasgani

मिशन शिक्षण संवाद

रचनात्मक अभ्यास:

आया दिन शनिवार का, गतिविधि के आधार का

शब्द अन्त्याक्षरी-

बच्चों! आज हम संस्कृत के शब्दों की अन्त्याक्षरी खेलेंगें।

👉 सबसे पहले कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँट देगें।

👉 तत्पश्चात दोनों समूहों का नाम बच्चों की रुचि के अनुसार रखेंगें।

👉 बच्चों को गोल घेरे में बैठा लेगें।

👉 एक बच्चे से किसी शब्द को बोलने को कहा जाए।

👉 उदाहरण के लिए बच्चे ने 'खगः' शब्द का उच्चारण किया। दूसरा बच्चा उस शब्द का अन्तिम अक्षर 'ग' से 'गर्दभः' कहेगा।

👉 इसी तरह दूसरा बालक 'भ' से शब्द कहेगा- 'भल्लूकः'।

👉 फिर 'क' से 'कमलम्', 'म' से 'मूषकः', पुनः 'क' से 'कोकिलः'।

शब्द अन्त्याक्षरी से लाभ-

👉 बच्चे में शुद्ध उच्चारण करने की क्षमता का विकास।

👉 इस तरह से बच्चे खेल-खेल में ढेर सारे शब्द याद कर लेते हैं।

👉 परिवेशीय ज्ञान में वृद्धि क्योंकि बच्चा अपने आस -पास के परिवेश का सहारा लेता है शब्द खोजने के लिए।

👉 रुचिपूर्वक सक्रियता का समावेश।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kabu Kasgani

Subject - English Chapter-Grammar Class - 7

Topic - A ,An Or The S.N. - 21

मिशन शिक्षण संवाद

Use A, An, OrThe

We use a or an when we speak of only one person, animal, place or thing.

Use Of A Or An

We use an before words that begin with a vowel sound

An apple, An, egg, An ice cream, An orange, An umbrella.

We use a before words that begin with a consonant sound.

A ballon, A flower, A house, a pencil, A tree.

Use Of The

We use 'the' when we talk about a particular thing.

A man (means any man)
the man (means a particular man)

We use 'the' with the names of-

Rivers The Ganga, The Yamuna.

Ocean and seas The Indian Ocean, The Black Sea.

Mountain ranges The Himalayas, The Alps.

Historical monuments The Taj Mahal, The Qotub Minar.

Look at pictures and words. Then fill in the blanks " a" "an" or " the".

Made by- Parul and George Anthony 9458278429

Subject - English Chapter- 5 Class - 7

Topic - Mr Garbage and Mrs. Polythene S.N. - 22

मिशन शिक्षण संवाद

Girl : How is that possible?

Mr. Garbage : There I mix with soil and turn into manure to grow rich crops for you.

Girl : That's good. But who is that?

Mr. Garbage : She is Mrs. Polythene.

Girl : Mrs. Polythene, She looks so pretty.

अनुवाद

लड़की : यह कैसे सम्भव है?
श्री गारबेज : वहाँ मै मिट्टी के साथ मिलकर खाद बन सकता हूँ जो तुम्हारे लिए अच्छी फसलें उगाने में मदद करता है |
लड़की : यह अच्छा है | परन्तु वह कौन है?
श्री गारबेज : वह श्रीमती पॉलिथीन है |
लड़की : श्रीमती पॉलिथीन! वह बहुत सुन्दर दिखती है |

Word	Meaning
Possible	सम्भव
Soil	मिट्टी
Mix	मिलना
Turn	बदलना
Manure	खाद
Grow	उगाना
Crops	फसलें
Pretty	सुन्दर

Home Work

Q. 1. How can Mr Garbage grow crops for us ?
Q.2. What did the girl say about Mrs. Polythene?

Answers sheet page 21

Ans.1. The girl asked Mr. Garbage that where he lived.
Ans.2. Mr.Garbage is usually found on roads and work-places.
Ans.3. People should throw garbage in dustbins or covered pits.
Ans.4. Yes, garbage can be useful if recycled.

Made by- Parul and George Anthony 9458278429

Subject - English Chapter- 5 Class - 7

Topic - Mr. Garbage and Miss Polythene S.N. - 24

मिशन शिक्षण संवाद

Mr. Garbage : Dear child, no doubt she is very pretty and useful but do you know animals die when they swallow it. She is the most dangerous enemy of man.

Girl : In what way ?

Mr. Garbage : Because she is made up of plastic.

अनुवाद

गार्बेज : प्रिय पुत्री, निसंदेह वह बहुत सुंदर और उपयोगी है, लेकिन क्या तुम्हें पता है जानवर उसे खाने से मर जाते हैं। वह इंसानो की सबसे खतरनाक दुश्मन है ।

लड़की : वो कैसे ?

गार्बेज : क्योंकि वह प्लास्टिक की बनी हुई है।

Word Meanings

Pretty : सुंदर

Useful : उपयोगी

Swallow : निगलना

Die : मरना

Dangerous : खतरनाक

Homework

Ques 1. Who is the most dangerous enemy of man ?

Ques 2 . Who looked pretty ?

Answers of Sheet 23

Answer 1. Mr.Garbage can grow crop for us by mixing with soil and turning into manure.

Answer 2. According to the girl Mrs.Polythene looked pretty.

9458278429

Made by- George Anthony and Parul

मॉनिटर या वीडियो डिस्प्ले यूनिट(Monitor or VDU):-
मॉनिटर कंप्यूटर का वह आउटपुट डिवाइस है जो डाटा को प्रत्यक्ष प्रस्तुत करता है। यह एक टेलीविज़न की तरह दिखाई देता है। प्रारम्भ में केवल मोनोक्रोम अथवा श्वेत और श्याम मॉनिटर थे। धीरे -धीरे ऐसे मॉनिटर विकसित किये गये जो रंगो को प्रदर्शित कर सकते है। मॉनिटर कई प्रकार के है तथा उनकी प्रदर्शन क्षमता भिन्न -भिन्न है। ये क्षमता एडाफ्टर कार्ड (Adapter Card) नाम के विशेष सर्किट पर आधारित होते है। कुछ एडाफ्टर कार्ड (Adapter Card) इस प्रकार है।

Color Graphics Adapter (CGA)
Extended Graphics Adapter (EGA)
Vector Graphics Adapter (VGA)
Super Vector Graphics Adapter (SVGA)

Resolution:---
मॉनीटर का महत्वपूर्ण गुण –
रेजोल्यूशन:-- (Resolution) यह स्क्रीन के चित्र की स्पष्टता (Sharpness) को बताता है अधिकतर डिस्प्ले (Display) डिवाइसेज में चित्र (Image) स्क्रीन (Screen) के छोटे छोटे डॉट (Dots) के चमकने से बनते है स्क्रीन के ये छोटे छोटे डॉट (Dots) पिक्सल (Pixels) कहलाते है। यहाँ पिक्सल (Pixels) शब्द पिक्चर एलीमेंट (Picture Element) का संक्षिप्त रूप है स्क्रीन पर जितने अधिक पिक्सल होगें स्क्रीन का रेजोल्यूशन (Resolution) भी उतना ही अधिक होगा अर्थात चित्र (Image) उतना ही स्पष्ट होगा एक डिस्प्ले रेजोल्यूशन (Resolution) माना 640*480 है तो इसका अर्थ है कि स्क्रीन 640 डॉट के स्तम्भ (Column) और 480 डॉट की पंक्तियों (Row) से बनी है|
कुछ प्रसिद्ध Resolution ८००x६४० पिक्सेल , १०२४x७६८ पिक्सेल , १२८० x १०२४ पिक्सेल है।

गृहकार्य
प्र 1. मॉनिटर का दूसरा नाम क्या है?
प्र2. रिजॉल्यूशन का क्या अर्थ है?

उत्तरमाला (क्रमांक 18)
उ1. कुछ आउटपुट डिवाइस:--
१- मॉनिटर २- प्रिंटर
३- प्लॉटर
४- मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर
५- स्पीच सिंथेसिज़ेर्स
उ2. वह डिवाइस जिसमें कंप्यूटर के इनपुट डिवाइस द्वारा दिए गये निर्देशों को प्रोसेसिंग होने के बाद जिस डिवाइस में उसका परिणाम प्रदान किया जाता है वह आउटपुट डिवाइस कहलाती है।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलंदशहर

Types of Monitor (मॉनिटर के प्रकार)
CRT Monitor
LCD (Liquid Crystal Display)
LED (Light Emitting Diode)

1. CRT Monitor:----

CRT monitor ज्यादा Use होने वाला Output Device हैं जिसे VDU (Visual display Unit) भी कहते हैं इसका मुख्य भाग cathode Ray tube होती हैं जिसे Generally Picture tube कहते हैं । सी.आर.टी. तकनीक सस्ती और उत्तम कलर में आउटपुट प्रदान करती है ।

LCD (Liquid Crystal Display):--
टेक्नोलॉजी के विकास के साथ आज CRT मॉनिटर के बदले LCD Monitor प्रचलन में आ गए है यह Monitor बहुत ही आकर्षक होते हैं। यह Digital Technology हैं जो एक Flat सतह पर तरल क्रिस्टल के माध्यम से आकृति बनाता हैं यह कम जगह तथा कम ऊर्जा लेता है, अपेक्षाकृत कम गर्मी पैदा करता हैं यह डिस्पले पहले लैपटाप में Use होता था परन्तु अब डेस्कटॉप कंप्यूटर के लिए भी प्रयोग हो रहा हैं।

LED (Light Emitting Diode):--
LED मॉनीटर नवीनतम प्रकार के हैं। ये फ्लैट पैनल हैं, या थोड़ा घुमावदार। एलईडी मॉनीटर, CRT और LCD की तुलना में बहुत कम बिजली का उपयोग करते है और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है। एलईडी मॉनीटर के फायदे यह है कि वे हाइयर contrast वाले इमेज का उत्पादन करते हैं। अधिक टिकाऊ होते हैं और इसमें बहुत पतली डिज़ाइन होती है। कम गर्मी पैदा करते हैं। एकमात्र नकारात्मकता यह है कि वे अधिक महंगे हो सकते हैं।

उत्तरमाला (क्रमांक 19)
उ 1. विजुअल डिस्पले यूनिट
उ2. स्क्रीन के चित्र की स्पष्टता ही रिजॉल्यूशन है।

गृहकार्य
प्र 1. मॉनिटर के प्रकार बताओ?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलंदशहर
9458278429

विषय- हिन्दी (महान व्यक्तित्व) पाठ-1 कक्षा -7

प्रकरण- ऋषि कुमार नचिकेता क्रमांक- 23

मिशन शिक्षण संवाद

सारांश

ऋषि कुमार नचिकेता

महर्षि वाजश्रवा महान विद्वान और चरित्रवान थे। नचिकेता उनके पुत्र थे। एक बार वाजश्रवा ने विश्वजीत यज्ञ किया। उन्होंने अपनी सारी संपत्ति दान में देने की प्रतिज्ञा की। दान में पिता ने निर्बल वह बूढ़ी गाय भी दी जो लाभ की नहीं थी। नचिकेता ने पिता से लाभकारी और प्रिय वस्तु को दान देने की सलाह देते हुए पूछा कि आप मुझे दान के रुप में किसके हवाले करेंगे। बार-बार पूछने पर पिता ने क्रोध में कहा मैं तुझे यमराज के हवाले कर दूंगा। नचिकेता आज्ञाकारी बालक था।वह पिता के वचन को सत्य करना चाहता था, अत: पिता से बहुत ही मुश्किल से आज्ञा पाने के बाद वह यमलोक पहुँचा। यमदूत उसे पता चला यमराज कहीं गए हैं। बालक का परिचय पूछा। नचिकेता ने निर्भीकता और विनम्रता से अपना परिचय दिया। यमराज ने प्रसन्न होकर आज्ञाकारी बालक से तीन वरदान माँगने को कहा। नचिकेता ने पहला वरदान माँगा कि मेरे घर लौटने पर पिता मुझे पहचान लें और प्रसन्न हो जाएँ। यमराज ने कहा "तथास्तु। दूसरा वरदान माँगो।"नचिकेता ने दूसरे वरदान में पृथ्वी पर दुख के निवारण का उपाय पूछा। यमराज ने बहुत परिश्रम से इसका ज्ञान भी बालक को दिया। तीसरे वरदान में नचिकेता ने पूछा कि मृत्यु होती है?मृत्यु के बाद मनुष्य का क्या होता है? वह कहाँ जाता है? यह सुनकर यमराज चौंक पड़ें। उन्होंने बताया कि यह कठिन प्रश्न है इसका उत्तर देना आसान नहीं है। फिर उन्होंने समझाया कि जिसने कोई पाप नहीं किया, और किसी को सताया नहीं और सच्चे मार्ग पर चलता है उसे मृत्यु की पीड़ा नहीं होती।नचिकेता ने छोटी उम्र में अपनी पितृ भक्ति, दृढ़ता और सच्चाई के बल पर ऐसा ज्ञान प्राप्त कर लिया, जिसे महान पंडित, ज्ञानी और विद्वान भी न कर सके।

(कठोपनिषद् के आधार पर)

अभ्यास-कार्य

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

4. महर्षि वाजश्रवा ने यज्ञ किया-
अ. अश्वमेध ब. विश्वजित स. महामृत्युञ्जय द. राजसूय

5. महर्षि वाजश्रवा ने यज्ञ करने वालों को गायें दान में दीं। क्योंकि-
अ. वे गायें माँग रहे थे।
ब. गायें बूढ़ी हो गयी थीं।
स. महर्षि ने प्रतिज्ञा की थी कि मैं अपनी सारी संपत्ति दान कर दूँगा।

6. नचिकेता यमराज के पास गए क्योंकि-
अ. वह अपने पिता की आज्ञा का पालन करते थे।
ब. वह अपने पिता से नाराज थे।
स. वह यमराज से विद्या ग्रहण करना चाहते थे।

7. यमराज ने नचिकेता से तीन वरदान माँगने को कहा, क्योंकि-
अ. नचिकेता यमलोक पहुँच गए थे।
ब. नचिकेता तीन दिनों तक यमलोक के द्वार पर भूखे-प्यासे बैठे रहे।
स. नचिकेता ने यमराज से प्रार्थना की

1.नचिकेता ने दान में कैसी वस्तु देने को बताया?
नचिकेता ने दान में अपनी सबसे प्रिय वस्तु देने को बताया।

2.नचिकेता ने दूसरा वरदान क्या माँगा ?
नचिकेता ने दूसरे वरदान में पृथ्वी पर दुख के निवारण का उपाय पूछा।

3.नचिकेता ने यमराज के पास जाने का निश्चय क्यों किया ?
अपने पिता के वचन को सत्य करने के लिए नचिकेता ने यमराज के पास जाने का निश्चय किया।

उत्तरमाला न०-22

पाठ के पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें -

(क) एक: काक: ..बुभुक्षित:..... आसीत्।

(ख) स: इतस्तत: ..अभ्रमत्... ।

(ग) स्वप्रशंसां श्रुत्वा काक: .अतिप्रसन्न:... अभवत्।

(घ) एतदर्थमेव शृगाली तस्य ..प्रशंसाम्.. अकरोत्।

(ङ) सा रोटिकां गृहीत्वा ...तस्मात् स्थानात्.. पलायिता।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा kgbv बाराबंकी

विषय- हिन्दी

पाठ-'शाप-मुक्ति' कक्षा-7

प्रकरण-कहानी

क्रमांक-24

मिशन शिक्षण संवाद

सारांश

मैं दादी के नेत्रों की चिकित्सा कराने दिल्ली के प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सालय में डॉक्टर प्रभात के पास गया। बात- बात में पता चला कि डॉ प्रभात इलाहाबाद में पड़ोस में रहने वाला 'मंटू' था, मेरे बचपन का साथी। दादी भी यह जानकर प्रसन्न हुई। परंतु साथ ही दादी ने डॉक्टर प्रभात को यह भी बताया कि इलाहाबाद में एक वकील का बदमाश लड़का भी मंटू नाम का था। दादी ने मुझे बताया कि मंटू ने बचपन में आक के दूध से तीन पिल्लों की आँखें फोड़ दी थी उस घटना को याद कर मैं हैरान रह गया। दादी ने निश्चय किया कि वह मंटू यानी डॉ प्रभात से इलाज नहीं कराएगी। डॉ प्रभात दादी को समझाने के लिए स्वयं हमारे घर आए उन्होंने दादी से कहा, "मैंने बचपन में पिल्लों की आँखें फोड़ कर जो पाप किया था, वह मुझे याद है। उस पाप के प्रायश्चित में ही मैं नेत्र चिकित्सक बना। दादी के श्राप से अपनी आँखें फूटने से पहले कितनों को आँखें दे जाऊँगा।" उसमें दो आँखें आपकी भी होंगी दादी। डॉ प्रभात की बात सुनकर दादी ने उसे गले से लगा लिया। उसे आशीर्वाद देते हुए कहा कि तुम्हारी आँखों की ज्योति हमेशा बनी रहे। इस डॉ प्रभात को दादी के शाप से मुक्ति मिली।

रमेश उपाध्याय

'कुछ भी हो,----------नहीं हुई।

संदर्भ- प्रस्तुत गद्य खंड हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के पाठ 'श्राप-मुक्ति' से लिया गया है। इस कहानी के लेखक श्री रमेश उपाध्याय जी हैं।

प्रसंग- दादी को नेत्रों के इलाज के लिए दिल्ली के प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉक्टर प्रभात के पास ले जाया गया। बातचीत में पता चला कि वह इलाहाबाद के वकील का लड़का मंटू था। जिसने बचपन में आक के दूध से तीन पिल्लों की आँखें फोड़ दी थी।

व्याख्या- दादी ने निश्चय कर लिया था कि वह डॉक्टर प्रभात से नेत्र चिकित्सा नहीं कराएगी। दादी जो ठान लेती थी, बच्चों की तरह हठपूर्वक वही करती थी। दादी को समझाने की सब कोशिश बेकार गई। दादी ने डॉ प्रभात द्वारा लिखी गई आँखों की दवाई, जो दादी को आँख में डाली जानी थी, मँगाने से साफ इंकार कर दिया। अच्छी तरह समझाने पर भी दादी ने अपना निश्चय नहीं बदला।

उत्तरमाला न०-23

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

4. महर्षि वाजश्रवा ने यज्ञ किया- ब. विश्वजित

5. महर्षि वाजश्रवा ने यज्ञ करने वालों को गायें दान में दीं। क्योंकि-
स. महर्षि ने प्रतिज्ञा की थी कि मैं अपनी सारी संपत्ति दान कर दूँगा।

6. नचिकेता यमराज के पास गए क्योंकि-
अ. वह अपने पिता की आज्ञा का पालन करते थे।

7. यमराज ने नचिकेता से तीन वरदान माँगने को कहा, क्योंकि-
ब. नचिकेता तीन दिनों तक यमलोक के द्वार पर भूखे-प्यासे बैठे रहे।

शब्दार्थ

नेत्र-चिकित्सक = आँख का डॉक्टर। लुप्त = गायब। स्मृति = याद। सहसा = एकाएक, अचानक। आक = मदार। अक्सर = प्राय:। विस्मयकारी = आश्चर्य उत्पन्न करने वाला। कुकृत्य = बुरा कार्य। जिज्ञासा = जानने की इच्छा। मासूम = भोला, अबोध। बालसखा = बचपन का मित्र।

अभ्यास-कार्य

*आक के पौधे से गाढ़ा दूध निकलता है। अन्य किन-किन पेड़-पौधों से गाढ़ा दूध निकलता है, उनके नाम लिखिए।

*निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-
नयी, ठंड, पाप, बूढ़ा।

* निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-
टस से मस न होना, हृदय से लगाना, मुस्कान लुप्त होना।

* 'बच्चा' शब्द में 'पन' प्रत्यय लगाकर 'बचपन' शब्द बना है जो भाववाचक संज्ञा है। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों में 'पन' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाइए-
लड़का, अपना, अनाड़ी, रूखा।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा kgbv बाराबंकी

विषय- हिन्दी

पाठ-'शाप-मुक्ति' कक्षा-7

प्रकरण-कहानी

क्रमांक-25

मिशन शिक्षण संवाद

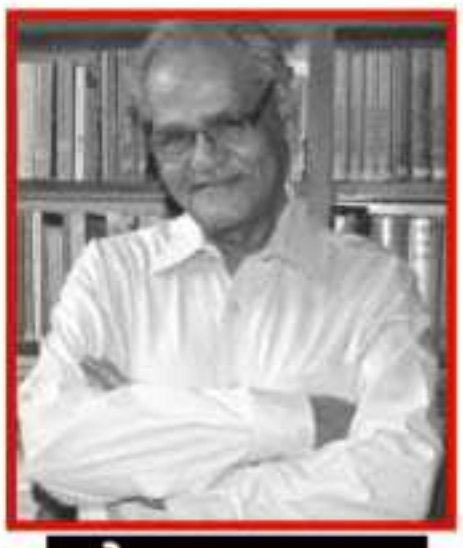

रमेश उपाध्याय

आधुनिक हिन्दी कहानीकारों में रमेश उपाध्याय का नाम विशेष उल्लेखनीय है। इनका जन्म 1 मार्च 1942 को एटा जिले के बधारी गाँव में हुआ था। इन्होंने पहले 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' तथा 'नवनीत' में उपसम्पादक का कार्य किया। इस समय ये व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य कर रहे हैं। 'शेष इतिहास' 'नदी के साथ', 'बदलाव से पहले' इनके प्रसिद्ध उपन्यास तथा 'पेपरवेट' नाटक विशेष उल्लेखनीय हैं।

प्रश्न. डॉ0 प्रभात का चेहरा किस दुःखदायी स्मृति से काला-सा हो गया ?
उत्तर. डॉ प्रभात का चेहरा दुखदाई स्मृति से इसलिए काला पड़ गया, क्योंकि बचपन में डॉक्टर प्रभात ने आक के दूध से तीन पिल्लों की आँखें फोड़ दी थीं।
प्रश्न. मंटू ने बचपन में क्या पाप किया था और उस पाप का प्रायश्चित उसने किस प्रकार किया ?
उत्तर. मंटू ने बचपन में आक के दूध से पिल्लों की आँखें फोड़ दी थी, इसका प्रायश्चित उसने नेत्र चिकित्सक बनकर किया।
प्रश्न. ''पर मैं तो आँखों का डॉक्टर हूँ दादी अम्मा! बुढ़ापे का इलाज मेरे पास कहाँ ?'' डॉ. प्रभात ने यह जवाब दादी के किस बात के उत्तर में दिया था ?
उत्तर. दादी जब लेखक के साथ डॉक्टर प्रभात के क्लीनिक में पहुंचे तो उन्होंने मुस्कुराते हुए उनका स्वागत किया, आओ, आओ, दादी अम्मा! कहाँ क्या तकलीफ है? बेटा! "बस बुढ़ापे में नजर कमजोर हो ही जाती है।" दादी के इसी बात पर उत्तर देते हुए डॉ प्रभात ने उपरोक्त वाक्य कहे।
प्रश्न. दादी डॉ0 प्रभात से अपनी आँखों का इलाज क्यों नहीं करवाना चाहती थीं, फिर वह इलाज के लिए कैसे तैयार हुई?
उत्तर. दादी डॉ प्रभात से आँखों का इलाज करवाने के लिए इसलिए तैयार नहीं हुई थी क्योंकि डॉक्टर प्रभात ने बचपन में पिल्लों की आँखें फोड़ दी थीं। लेकिन डॉक्टर प्रभात ने समझाया कि वह उसी प्रायश्चित के कारण ही नेत्र चिकित्सक बना है उसे दादी का वह शाप भी याद है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक दिन उसकी आँखें भी फूट जाएँगी। इसीलिए अपनी आप आँखें फूटने से पहले वह अधिक से अधिक लोगों को आँखें दे जाना चाहता है। डॉक्टर प्रभाते की यह बात सुन दादी इलाज के लिए तैयार हो गई।

अभ्यास-कार्य

यह जानकारी हम लोगों के लिए एकदम नयी और विस्मयकारी थी। वास्तव में ऐसा होता है या नहीं, यह देखने के लिए मंटू ने एक प्रयोग कर डाला था। ठंड के दिन थे और मुहल्ले में आवारा घूमने वाली एक कुतिया ने वकील साहब की कोठी के पीछे पड़ी सूखी टहनियों के ढेर के नीचे तीन पिल्ले दिये थे। पिल्ले बड़े सुन्दर थे। मैं और मंटू उनसे खेला करते थे। आक के दूध के भयंकर असर की जानकारी मिलने के अगले दिन जब मैं स्कूल से आकर खाना खाने के बाद मंटू के साथ खेलने गया तो मैंनेदेखा, मंटू आक के पौधों के पास बैठा है और उसके घुटनों में दबा पिल्ला कें-कें कर रहा है। दो पिल्ले पास ही कूँ-कूँ करते इधर-उधर भटक रहे थे। नजदीक जाकर मैंने देखा, हैरान रह गया। मंटू आक के पत्ते तोड़-तोड़कर उनका दूध पिल्ले की आँखों में डाल रहा था।
उपर्युक्त अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और अपने सहपाठियों से पूछने के लिए चार प्रश्न बनाइए।

उत्तरमाला न0-24

* अन्य पेड़-पौधों जिनसे गाढ़ा दूध निकलता है, उनके नाम- बरगद,मदार, कटहल।

*निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-
नयी-पुरानी, ठंड-गर्म, पाप-पुण्य, बूढ़ा-युवा।

* निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-
टस से मस न होना-स्थिर रहना-दादी अपने निर्णय से टस से मस न हुई।
हृदय से लगाना-प्यार करना-दादी ने डा०प्रभात को हृदय से लगा लिया।
मुस्कान लुप्त होना-फिक्र में पड़ जाना-परिचय हो जाने पर डॉ प्रभात की मुस्कान लुप्त हो गई, क्योंकि उसे बचपन के पाप का ध्यान आ गया।
* 'बच्चा' शब्द में 'पन' प्रत्यय लगाकर 'बचपन' शब्द बना है जो भाववाचक संज्ञा है। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों में 'पन' प्रत्यय लगाकर।
लड़का+पन=लड़कपन
अपना+पन=अपनापन
अनाड़ी+पन=अनाड़ीपन
रूखा+पन=रूखापन

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा kgbv बाराबंकी

विषय- सामाजिक विषय पाठ- सल्तनत का विस्तार खिलजी वंश कक्षा -7

प्रकरण- साहित्य एवं कला क्रमांक- 20

मिशन शिक्षण संवाद

अलाई दरवाजा-

साहित्य व कला का विकास

प्रसिद्ध विद्वान अमीर खुसरो व वरनी अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में रहते थे। अलाउद्दीन ने दिल्ली में कुतुबमीनार के निकट कुव्वत्तुल इस्लाम मस्जिद के एक द्वार के रूप में "अलाई दरवाजा" बनवाया।

उसने दिल्ली में एक विशाल टैंक का निर्माण कराया जिसे "हौज ए खास" के नाम से जाना जाता है। उसने दिल्ली में "हजार खम्भा" महल का भी निर्माण

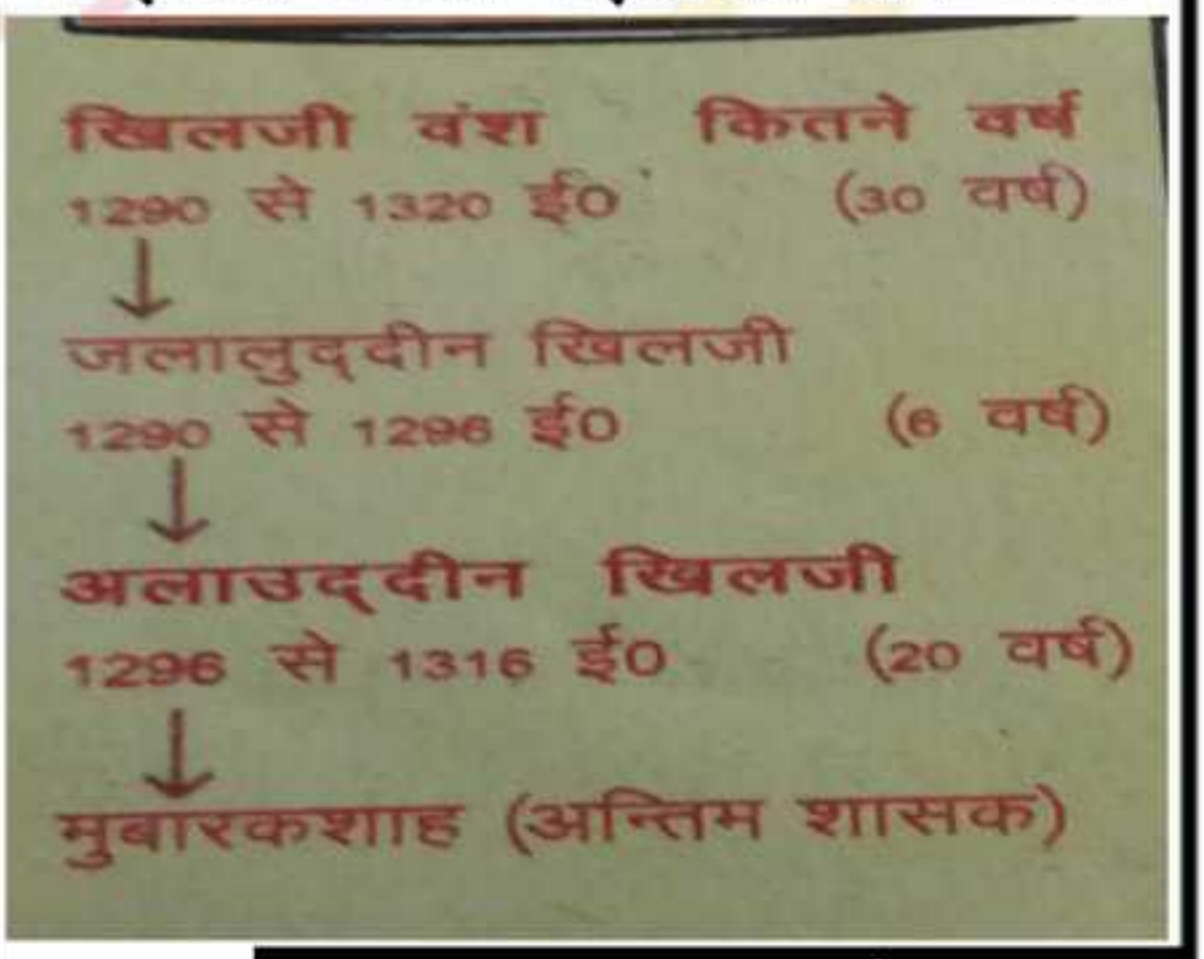

शब्दावली -

उलेम। - धर्मगुरू या धर्माधिकारी (आलिम अथवा शिक्षित)

खराज़(लगान) - भूमि पर खेती करने वालों से लिया जाने वाला कर (टैक्स)

घोड़ों पर दाग - घोड़ों की संख्या एवं इनकी पहचान के लिए उनकी पीठ पर दाग लगाने की परम्परा थी।

हुलिया - किसी व्यक्ति के रंगरूप आदि का ब्यौरा।

रसद - भोजन-सामग्री

उत्तरमाला क्रमांक 19

उत्तर 1 बड़ी सेना रखी।
उत्तर 2 अलाउद्दीन ख़िलजी।
उत्तर 3 “शहना”।
उत्तर 4 गुप्तचर।
उत्तर 5 अमीर खुसरो व वरनी ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-सुनीता यादव श्रावस्ती
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

निर्माण के आधार पर शैलें तीन प्रकार की होती हैं-
1 आग्नेय शैल
2 अवसादी शैल
3 रूपांतरित शैल

आग्नेय शैल:-

आग्नेय लैटिन शब्द 'इग्निस' का रूपांतरण है। 'इग्निस' का अर्थ है आग। आग्नेय शैल का निर्माण भूगर्भ से निकलने वाले तत्वों और तरल पदार्थों के ठंडा होकर जमने के फल स्वरुप हुई है। यह तरल पदार्थ पृथ्वी के आंतरिक भागों में गर्म और पिघले हुए रूप में पाए जाते हैं। जिसे 'मैग्मा' कहते हैं। जब यह मैग्मा पृथ्वी के धरातल पर पहुंचता है तो लावा कहलाता है। आग्नेय चट्टानों को "प्राथमिक चट्टानें" भी कहते हैं। क्योंकि इन्हीं चट्टानों से अन्य चट्टानों का भी निर्माण होता है। उदाहरण ग्रेनाइट गैब्रो, बेसाल्ट और डायोराइट आदि।

आग्नेय शैल की विशेषता:-

* आग्नेय शैल कठोर होती है।इसीलिए इनमें अपरदन कम होता है।
* यह खेदर और दानेदार होती हैं।
* परतदार नहीं होती है।
* जीवाश्म नहीं पाई जाती है।
* इनका संबंध ज्वालामुखी प्रक्रिया से होता है।
* आग्नेय शैल में सोना चांदी लोहा अभ्रक आदि खनिज पदार्थ मिलते हैं।

अभ्यास कार्य:-

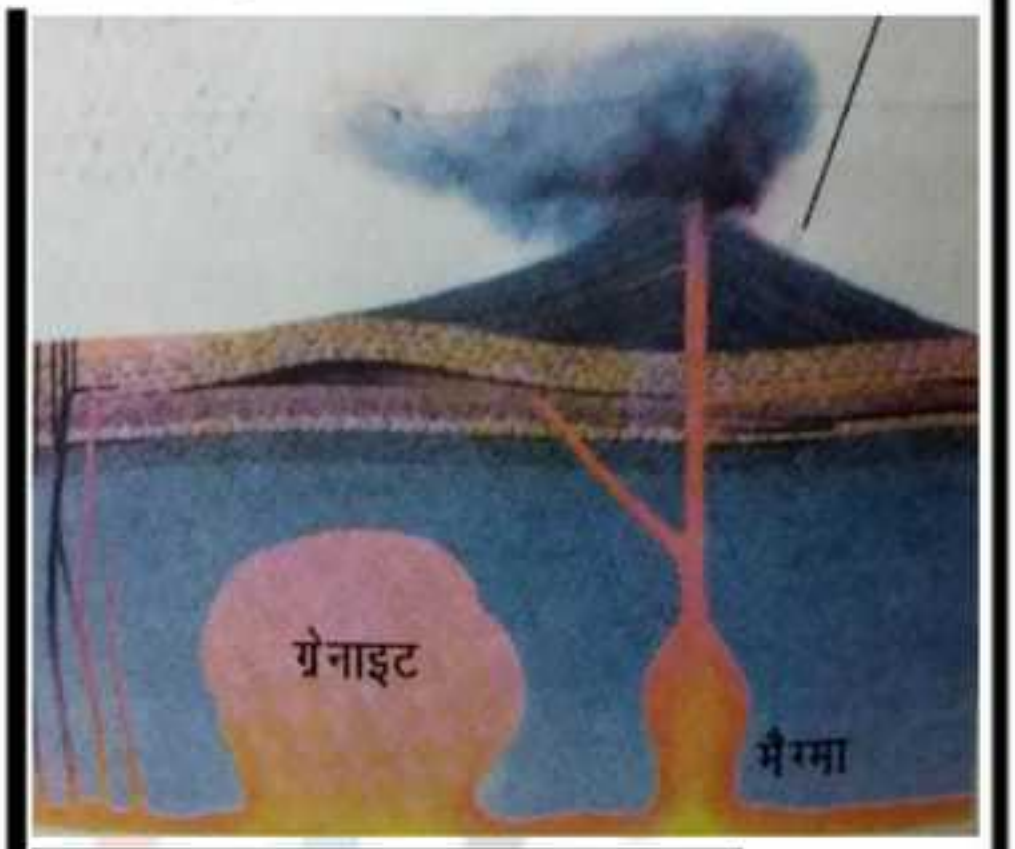

प्रश्न 1 तरल पदार्थ पृथ्वी की आंतरिक भागों में किस रूप में पाए जाते हैं?
प्रश्न 2 मैग्मा जब धरातल पर पहुंचता है तो क्या कहलाता है?
प्रश्न 3 आग्नेय चट्टानों को और किस नाम से जाना जाता है?
प्रश्न 4 आग्नेय शैल के दो उदाहरण दीजिए?
प्रश्न 5 खनिज पदार्थ किस प्रकार की चट्टानों में पाए जाते हैं?

उत्तरमाला क्रमांक 22

उत्तर 1 भूपर्पटी।
उत्तर 2 सिलिका एवं मैग्नीशियम।
उत्तर 3 क्रोड।
उत्तर 4 खनिजों के मिश्रण से।
उत्तर 5 क्रोड दो भागों में विभाजित है।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव श्रावस्ती

विषय- विज्ञान पाठ-पदार्थ की संरचना एंव प्रकृति कक्षा - 7

प्रकरण- यौगिक का अणु सूत्र क्रमांक - 23

मिशन शिक्षण संवाद

यौगिक का अणु सूत्र

दो या दो से अधिक तत्व मिलकर यौगिक बनाते हैं। चूंकि यौगिक अणुओं के रूप में पाये जाते हैं इसीलिए यौगिकों को भी अणुसूत्र के द्वारा दर्शाया जाता है। यौगिक के अणु की संरचना निश्चित होने के कारण उसमें उपस्थित परमाणुओं की संख्या भी निश्चित होती है। चूँकि परमाणु अविभाज्य है इसीलिए यौगिक के अणु तथा अणु सूत्र में उपस्थित तत्वों के परमाणुओं की संख्या पूर्णांकों में होती है।

उदाहरण - हाइड्रोजन क्लोराइड के एक अणु में हाइड्रोजन का एक परमाणु तथा क्लोरीन का एक परमाणु होता है, अत: हाइड्रोजन क्लोराइड के एक अणु को HCl अणु सूत्र द्वारा प्रदर्शित करते हैं।

HCL

यदि किसी यौगिक के एक अणु में उपस्थित विभिन्न परमाणुओं की संख्या एक हो तो अणु सूत्र लिखने में 1 अंक को संकेत के साथ दायी ओर नीचे (पादांक के रूप) में नहीं लिखते किन्तु तत्वों के परमाणुओं की संख्या एक से अधिक होने पर संकेत के दांयी ओर नीचे लिख दी जाती है।

H_2O

उदाहरण - जल का एक अणु हाइड्रोजन के दो परमाणु तथा ऑक्सीजन के एक परमाणु से मिलकर बना होता है। अत: जल का अणु सूत्र H_2O लिखा जाता है।

परमाणुवीय प्रतीकों का वह समूह जो यह दर्शाता है कि किसी यौगिक के एक अणु में किस-किस तत्व के कितने-कितने परमाणु उपस्थित हैं, वह यौगिक का 'अणु सूत्र' कहलाता है।

उत्तरमाला क्रमांक-22

1.(i) अणु सूत्र (ii) 2

2.नाइट्रोजन-2,
फोस्फोरस-4,
सल्फर-8

अभ्यास कार्य-23

1.रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(i) दो या दो से अधिक तत्व मिलकर ------ बनाते हैं।

(ii) यौगिक के अणु तथा सूत्र मे उपस्थित तत्वों के परमाणुओं की संख्या ------ मे होती है।

2.अणु सूत्र किसे कहते हैं?

3.जल के एक अणु मे हाड्रोजन व ऑक्सीजन के कितने-कितने परमाणु होते हैं?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- 1.अरशद रज़ा,सम्भल 2.मोनिका सिंघल,हापुड़

विषय- **विज्ञान** पाठ- पदार्थ की संरचना एंव प्रकृति कक्षा - **7**

प्रकरण-**यौगिक का अणु सूत्र** क्रमांक - **24**

मिशन शिक्षण संवाद

यौगिक के अणु सूत्र द्वारा प्राप्त सूचनाऐं

किसी यौगिक का अणु सूत्र निम्नलिखित सूचनाऐं दर्शाता है -

(i) उस यौगिक का एक अणु (ii) तत्व जिनसे वह यौगिक बना है

(iii) यौगिक के एक अणु में उपस्थित तत्वों के परमाणुओं की संख्या।

नीचे तालिका में कुछ यौगिकों के अवयवी तत्व, यौगिक के एक अणु में उनके परमाणुओं की संख्या तथा उनके अणु सूत्र दिये गये हैं -

क्रमांक	यौगिक	सूत्र	यौगिक मे उपस्थित तत्वों के नाम	अवयवी संकेत	परमाणुओं की संख्या
1	सोडियम क्लोराइड (नमक)	$NaCl$	सोडियम क्लोरीन	Na Cl	1 1
2	कार्बन डाई ऑक्साइड	CO_2	कार्बन ऑक्सीजन	C O	1 2
3	सल्फ्यूरिक अम्ल (गंधक का अम्ल)	H_2SO_4	हाइड्रोजन सल्फर ऑक्सीज़न	H S O	2 1 4
4	नाइट्रिक अम्ल	HNO_3	हाइड्रोजन नाइट्रोजन ऑक्सीजन	H N O	1 1 3
5	कैल्सियम कार्बोनेट (चूना पत्थर)	$CaCO_3$	कैल्सियम कार्बन ऑक्सीजन	Ca C O	1 1 3
6	कैल्सियम हाइडरॉक्साइड (चूने का पानी)	$Ca(OH)_2$	कैल्सियम ऑक्सीज़न हाइड्रोजन	Ca O H	1 2 2
7	चीनी(शक्कर)	$C_{12}H_{22}O_{11}$	कार्बन हाइड्रोजन ऑक्सीजन	C H O	12 22 11
8	पोटैशियम परमैंग्नेट (लाल दवा)	$KMnO_4$	पोटैशियम मैंगनीज़ ऑक्सीजन	K Mn O	1 1 4
9	सोडियम कार्बोनेट (धावन सोडा)	Na_2CO_3	सोडियम कार्बन ऑक्सीजन	Na C O	2 1 3
10	सोडियम बाई कार्बोनेट (खाने का सोडा)	$NaHCO_3$	सोडियम हाइड्रोजन कार्बन ऑक्सीज़न	Na H C O	1 1 1 3

अभ्यास कार्य-24

1. यौगिक का अणु सूत्र क्या दर्शाता है?
2. कार्बन डाई ऑक्साइड का सूत्र लिखें।
3. सोडियम बाई कार्बोनेट मे उपस्थित तत्वों के नाम और संख्या लिखिए।

उत्तरमाला क्रमांक-23

1.(i)यौगिक (ii)पूर्णांको

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- 1.अरशद रज़ा,सम्भल 2.मोनिका सिंघल,हापुड़

मिशन शिक्षण संवाद

अम्ल, क्षारक एवं लवण

आप अपने दैनिक जीवन में बहुत से पदार्थों का उपयोग करते हैं। जैसे - नींबू, इमली, नमक, चीनी, कच्चा आम, सिरका आदि। इन सभी पदार्थो की प्रकृति व स्वाद अलग अलग होता है। इन पदार्थो मे से कुछ पदार्थो का स्वाद खट्टा, कुछ का क़डवा, कुछ का मीठा और कुछ का नमकीन होता है। स्वाद व प्रकृति के आधार पर पदार्थो को अम्ल, क्षार व लवण आदि समूहो मे विभाजित किया जाता है। नीचे दी गई तालिका मे कुछ अम्लीय व क्षारीय पदार्थों के उदाहरण दिये हैं-

पदार्थ	स्वाद	अम्ल/क्षार
नींबू का रस	खट्टा	अम्ल
संतरे का रस	खट्टा	अम्ल
सिरका	खट्टा	अम्ल
दही	खट्टा	अम्ल
इमली	खट्टा	अम्ल
कच्चा आम	खट्टा	अम्ल
अंगूर	मीठा	क्षारक
खाने का सोडा	नमकीन	क्षारक

अभ्यास कार्य-25

1.आप दैनिक जीवन मे कौन-कौन से पदार्थ देखतें हैं?
2.दो खट्टे व दो मीठे पदार्थों के नाम लिखो।
3.तालिका मे नींबू अम्लीय है या क्षारीय?

उत्तरमाला क्रमांक-24

2.CO_2
3. Na-1, H-1, C-1,O-3

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- 1.अरशद रज़ा,सम्भल 2.मोनिका सिंघल,हापुड़

विषय- गृह शिल्प पाठ- ध्वनि, वायु एवं मृदा प्रदूषण कक्षा - 7

प्रकरण- मृदा प्रदूषण क्रमांक- 19

मिशन शिक्षण संवाद

मृदा प्रदूषण

मिट्टी के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में किसी प्रकार का अवांछनीय परिवर्तन जो सभी जीवों, पर्यावरण, पौधों के लिए हानिकारक हो। उसे मृदा प्रदूषण कहते हैं।

कीटनाशक दवा, रासायनिक उर्वरक, जहरीली गैसें, पॉलीथीन बैग, प्लास्टिक के डिब्बे आदि कुछ मृदा प्रदूषक हैं। मृदा द्वारा अवशोषित प्रदूषित जल भी मृदा को प्रदूषित करता है। इस तरह प्रदूषित मिट्टी में उपजाई गई फसल मानव एवं अन्य जीवों के शरीर में पहुँचकर उनके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालती है।

मृदा प्रदूषण के कारण

1-घरेलू और औद्योगिक कचरे एवं वनों की लगातार कटाई।
2-रासायनिक पदार्थों द्वारा।
3-प्रदूषित तेल ईंधन का मिट्टी में मिलना।
4-इलेक्ट्रानिक का अपशिष्ट उत्पादन द्वारा।

मृदा प्रदूषण के प्रभाव

1-विभिन्न प्रकार के प्रदूषक मिलकर मिट्टी को विषाक्त बनाते हैं।
2-मृदा प्रदूषण हमारी खाद्य श्रंृखला की नींव को नष्ट कर देती हैं।
3-प्रदूषित मिट्टी बारिश के पानी के माध्यम से नदियों के पानी को प्रदूषित कर देती है।

मृदा प्रदूषण को रोकने के उपाय

1-घरेलू कचरे पर नियंत्रण, कूड़ा फेंकने का उचित प्रबंध हो।
2-जल निकासी की उत्तम व्यवस्था, नदियों में कचरे को न बहाएं।
3-वनों की कटाई पर रोक, अधिक से अधिक पौधे लगाएं।
4-अपशिष्ट सामग्री की रिसाइक्लिंग कर पुनः प्रयोग करें।
5-मृदा के उपयोग के लिए शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों तथा नियमों का पालन करें।

दिसंबर 2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 68वीं सामान्य सभा की बैठक में पारित संकल्प के द्वारा 05 दिसंबर को विश्व मृदा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया था। सबसे पहले यह खास दिन संपूर्ण विश्व में 05 दिसंबर 2014 को मनाया गया था। इस दिवस को खाद्य व कृषि संगठन द्वारा मनाया जाता है

अभ्यास कार्य

(1) -मृदा किसे कहते हैं?
(2) -मृदा प्रदूषण क्या होता है?
(2) -मृदा प्रदूषण के कारण लिखो?
(3) -मृदा प्रदूषण से क्या प्रभाव पड़ता है?
(4) -मृदा प्रदूषण के प्रभाव से बचने के क्या उपाय है?
(5) -विश्व मृदा दिवस कब मनाते हैं?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी झाँसी

प्राथमिक उपचार

स्कूल में भोजनावकाश था। बच्चे मैदान में खेल रहे थे। कुछ गेंद खेल रहे थे तो कुछ रस्सी कूद रहे थे। अचानक मोनू के पैर में मोच आ गई। वह दर्द के कारण चीखने लगा। सभी बच्चे उसे घेरकर खड़े हो गए। मास्टर साहब भी दौड़ते हुए आए। मास्टर साहब ने सभी लोगों को घायल मोनू से दूर खड़े रहने को कहा। फिर उन्होंने तुरंत उपचार पेटिका मँगवाई। सभी बच्चे उत्सुक थे कि इस बक्सेनुमा डिब्बे में क्या होगा? मास्टर साहब ने एक मरहम निकाला और मोनू के पैर पर लगा दिया। फिर उस पर क्रेप पट्टी को कस कर बाँध दिया। घायल मोनू को दर्द निवारक दवा भी दी गई। थोड़ी देर के बाद उसे आराम हो गया। उसके बाद मास्टर साहब मोनू को डॉक्टर के पास ले गए। आपने देखा कि मास्टर साहब ने किस प्रकार प्राथमिक उपचार पेटिका (First-aid-box) की सहायता से मोनू को दर्द में आराम दिलाया।

इस प्रकार हमने जाना कि किसी भी घायल या बीमार व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने से पहले उसकी जान बचाने के लिए हम जो कुछ भी उसकी सहायता कर सकते हैं, उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं।

चिकित्सक के आने के पहले, सामान्य व्यक्ति द्वारा दिया गया उपचार, जिससे रोगी की प्राण रक्षा में मदद मिल सके, प्राथमिक उपचार कहलाता है।

प्राथमिक चिकित्सा के लिए प्राथमिक उपचार पेटिका का होना अतिआवश्यक हैं। हर घर, आफिस और विद्यालय में उपचार पेटिका होनी चाहिए। जिसमें प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित सामग्रियाँ जैसे- पट्टियाँ, बैंडेड, कैंची, एन्टीसेप्टिक लोशन/क्रीम, थर्मामीटर, बाम, इलेक्ट्रॉल आदि होना चाहिए।

अभ्यास कार्य

(1) -मोनू के पैर में क्या हुआ?
(2) -मास्टर साहब ने क्या किया?
(3) -प्राथमिक चिकित्सा के लिए किसका होना अतिआवश्यक हैं?
(4) - प्राथमिक उपचार पेटिका मे क्या क्या सामग्री होती है?
(5) -प्राथमिक चिकित्सा क्या है?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी झाँसी

आओ प्राथमिक उपचार पेटिका बनाना सीखें

खाली पड़ा दफ्ती या प्लास्टिक का डिब्बा लें। सफेद कागज को डिब्बे के चारों तरफ गोंद से चिपका दें। डिब्बे के ऊपर बीच में लाल रंग से + का चिह्न लगा दें। + चिह्न के नीचे प्राथमिक चिकित्सा पेटिका लिखें। फिर डिब्बे के अंदर ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को रख दीजिए।

अपनी प्राथमिक चिकित्सा किट को छोटा रखें। इसमें ऐसा सामान रखें जो कई तरह से काम आ सके। फर्स्ट ऐड किट बनाने की विधि नीचे दी गई है -

1-फर्स्ट ऐड के लिए एक अच्छा बॉक्स चुनें जो बड़ा व पारदर्शी हो। कोशिश करें कि यह बॉक्स वाटर प्रूफ हो।

2-किट को ऐसी जगह रखें जहाँ से यह दिखे भी और निकालनी भी आसान हो। बच्चों को बता दें कि किट कहाँ रखी है, लेकिन इसे उनकी पहुंच से दूर रखें।

3-अपने परिवार वालों को फर्स्ट ऐड किट के बारे में और इसे इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में बताएं।

4-अपने फर्स्ट ऐड बॉक्स के सामान की समय समय पर जांच करते रहें और एक्सपायर दवाओं को बदल लें।

5-किट में रखने वाले सामान के लिए एक चेकलिस्ट बना लें ताकि आप कुछ रखना भूले नहीं।

और भी जानें-

लाल रंग का + चिह्न का प्रयोग चिकित्सा क्षेत्र में किया जाता है जैसे- हॉस्पिटल, एम्बुलेंस, दवाओं की दुकानों आदि में आप इस चिह्न को देखते हैं।

प्राथमिक उपचार पेटिका की जरूरत किसी भी जगह पर किसी भी समय पड़ सकती है। इसलिए केवल विद्यालय में ही नहीं बल्कि घर में भी इसे बनाकर रखना चाहिए।

गतिविधि

सभी बच्चे अपने घर पर प्राथमिक उपचार पेटिका (First Aid Box) बनाए

अभ्यास कार्य

(1) -प्राथमिक उपचार पेटिका में क्या- क्या वस्तुएँ रहती हैं?

(2) -प्राथमिक उपचार पेटिका की क्या आवस्यकता होती है?

(3) -लाल रंग का + चिह्न का प्रयोग कहाँ किया जाता है?

(4) -प्राथमिक उपचार पेटिका को अंग्रेजी मे क्या कहते है?

मिशन शिक्षण संवाद

पूर्व की कक्षा में कुछ आकृतियों को बनाना हम सीख चुके हैं। इस इकाई में पटरी और परकार की सहायता से कुछ रचनाओं की विधि का अध्ययन करेंगे।

निर्मेय 1:- दिए हुए रेखाखंड को समद्विभाजित करना ।

ज्ञात है : रेखा खंड AB

रचना करनी है : रेखा खंड AB की समद्विभाजक रेखा

रचना के चरण : 1. रेखा खंड AB की आधी माप से अधिक त्रिज्या लेकर रेखा खंड के अन्त्य बिन्दु A को केन्द्र मानकर परकार की सहायता से एक अर्धवृताकार चाप A1 खींचिए।

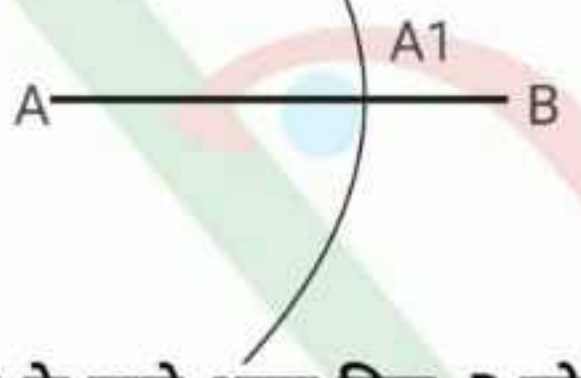

2.रेखा खंड AB के दूसरे अन्त्य बिन्दु B को केन्द्र मान कर उसी त्रिज्या से एक और अर्धवृताकार चाप A2 खींचिए जो पहले चाप को माना बिन्दुओं E और F पर काटता है।

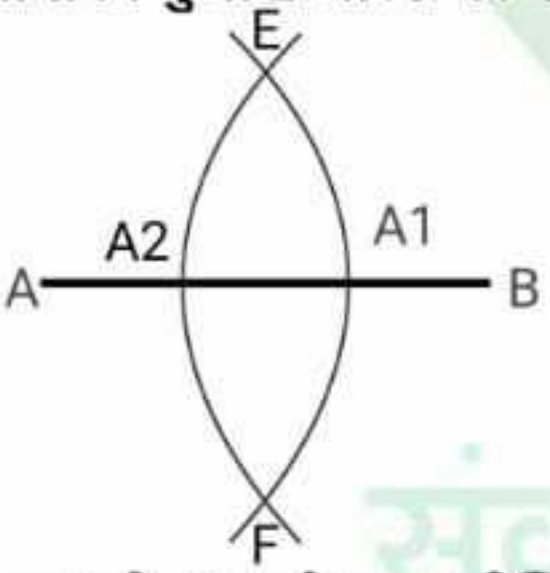

3.EF को मिलाइए जो AB को मान लीजिए बिन्दु M पर प्रतिच्छेद करती है।

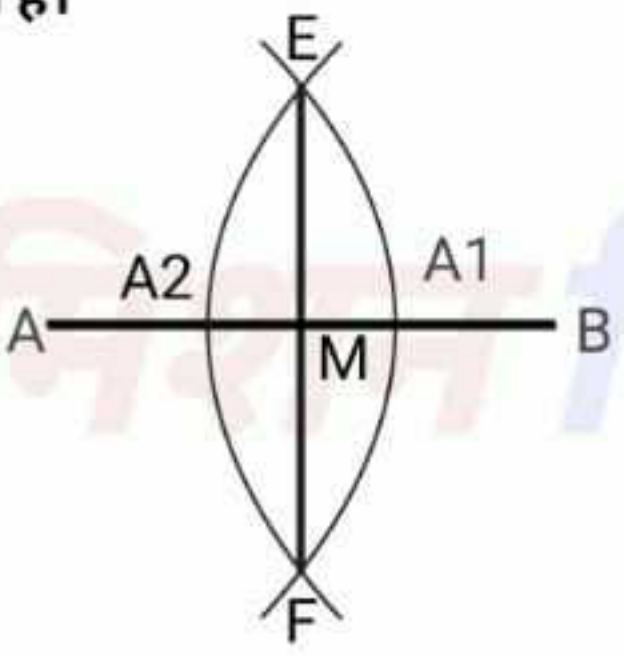

यही बिन्दु M रेखा खंड AB को दो बराबर भागों में विभक्त करता है। उपरोक्त रचना में EF रेखा निर्धारित करने के लिए E, F की आवश्यकता थी । इन बिन्दुओं को निर्धारित करने के लिए अर्धवृत के स्थान पर छोटे चाप लगाये जा सकते हैं।

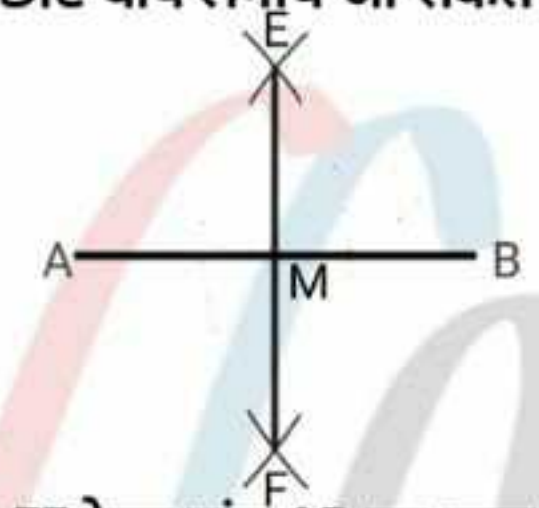

प्राप्त रेखा EF रेखा खंड AB का लम्ब समद्विभाजक है।

अभ्यास कार्य 23

1) 6 सेमी माप के एक रेखा खंड को परकार और पटरी की सहायता से दो बराबर भागों में विभाजित कीजिए।

2) 3 सेमी त्रिज्या का एक वृत्त जिसका केन्द्र O है,अपनी अभ्यास पुस्तिका पर खींचिए। इसमें दो जीवाएँ AB और CD खींचिए जो आपस में समांतर न हो। इन जीवाओं के लम्ब समद्विभाजक खींचिए। ये दोनों समद्विभाजक किस बिन्दु पर काटेंगे ?

3) 8 सेमी माप के रेखा खण्ड को चार बराबर भागों में बाँटिए।

अभ्यास कार्य 22 का हल

1 : नीचे दी गई सारणी के आँकड़ों का समांतर माध्य ज्ञात कीजिए।

हल -

पद x	4	6	8	10	12	14	
बारंबारता f	3	4	2	2	6	8	$\Sigma f = 25$
$x \times f$	12	24	16	20	72	112	$\Sigma fx = 256$

समान्तर माध्य $= \frac{\Sigma fx}{\Sigma f} = \frac{256}{25} = 10.24$

2 :

शिक्षार्थियों की ऊँचाई x (cm)	140	147	148	149	150	151	154	158	159	160	
बारम्बारता f	3	4	5	6	10	7	5	4	4	2	$\Sigma f = 50$
$x \times f$	420	588	740	894	1500	1057	770	632	636	320	$\Sigma fx = 7557$

हल : समान्तर माध्य $= \frac{\Sigma fx}{\Sigma f} = \frac{7557}{50} = 151.14$ cm

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़)

मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों हम दिए हुए रेखाखंड को समद्विभाजित करना सीख रहे हैं।
चलिए अभ्यास कार्य 23 को हल करते हुए रेखाखंड को समद्विभाजित करना सीखते हैं।

अभ्यास कार्य 23 का हल

1) 6 सेमी माप के एक रेखा खंड को परकार और पटरी की सहायता से दो बराबर भागों में विभाजित कीजिए।

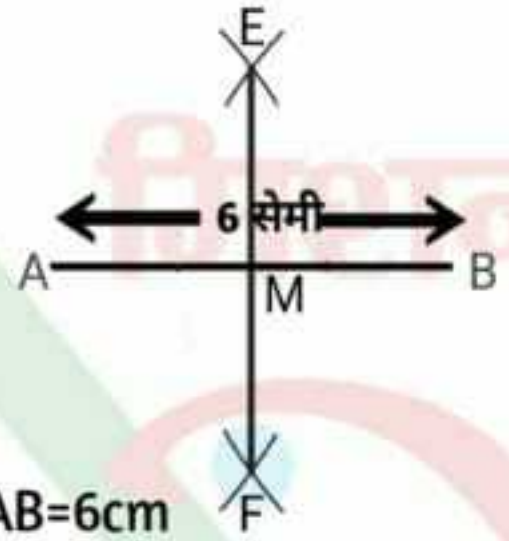

ज्ञात है : रेखा खंड AB=6cm
रचना करनी है : रेखा खंड AB की समद्विभाजक रेखा
रचना के चरण :
1. सर्वप्रथम रेखाखण्ड AB = 6.0 सेमी खींचना।
2. रेखाखण्ड AB = 6/2 =3.0 सेमी से अधिक त्रिज्या लेकर A को केन्द्र मानकर परकार की सहायता से AB के दोनों ओर चाप खींचें।
3. रेखाखण्ड AB के दूसरे अन्त्य बिन्दु B को केन्द्र मानकर उसी त्रिज्या से AB के दोनों ओर चाप खींचें जो पहले चाप को बिन्दुओं E और F पर काटता है।
4. E,F को मिलाया जो रेखाखण्ड AB को M बिन्दु पर समद्विभाजित करता है।

2) 3 सेमी त्रिज्या का एक वृत्त जिसका केन्द्र O है,अपनी अभ्यास पुस्तिका पर खींचिए। इसमें दो जीवाएँ AB और CD खींचिए जो आपस में समांतर न हो। इन जीवाओं के लम्ब समद्विभाजक खींचिए। ये दोनों समद्विभाजक किस बिन्दु पर काटेंगे ?

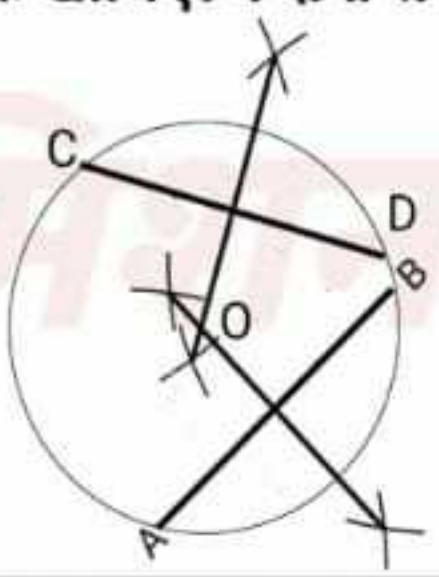

रचना - सर्वप्रथम O को केन्द्र मानकर 3 सेमी त्रिज्या का वृत्त खींचा। इस वृत्त पर दो जीवाएँ AB और CD खींची। जीवा AB और CD के लम्ब समद्विभाजक किए। ये दोनों लम्ब समद्विभाजक वृत्त के केन्द्र O पर मिलते हैं।

3) 8 सेमी माप के रेखा खण्ड को चार बराबर भागों में बाँटिए।

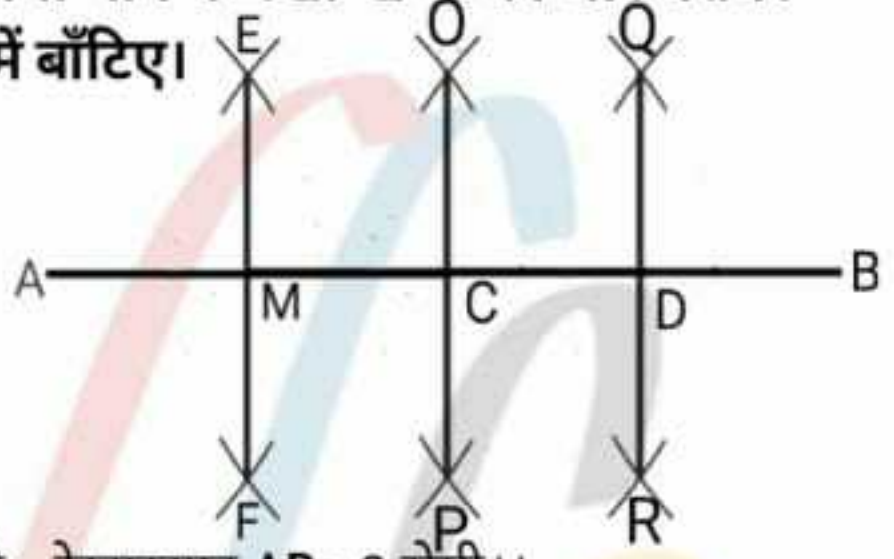

हल :
ज्ञात है - रेखाखण्ड AB= 8 सेमी।।
रचना करनी है - रेखाखण्ड AB को चार बराबर भागों में विभाजित करना।
रचना
1. सर्वप्रथम रेखाखण्ड AB = 8 सेमी खींचना।
2. रेखाखण्ड AB =4 सेमी से अधिक त्रिज्या लेकर बिन्दु A को केन्द्र मानकर रेखाखण्ड AB के दोनों ओर चाप लगायें।
3. उसी त्रिज्या को लेकर बिन्दु B को केन्द्र मानकरे रेखाखण्ड AB की दोनों ओर चाप लगाते हैं जो एक दूसरे की O और P पर काटते हैं। OP रेखाखण्ड AB को बिन्दु C पर काटता है। AC = BC
4. इसी प्रकार AC तथा BC को भी बराबर-बराबर भागों में विभाजित करते हैं। रेखाखण्ड AC को रेखाखण्ड EF बिन्दु M तथा रेखाखण्ड BC को रेखाखण्ड QR बिन्दु D पर काटता है।
5. इस प्रकार AB चार बराबर भागों में विभाजित हो जाती है।

अभ्यास कार्य 24

प्रश्न 1) परकार की सहायता से 4 सेमी त्रिज्या का एक वृत्त खींचिए। वृत्त पर एक जीवा खींचिए। वृत्त के केन्द्र से जीवा के मध्य बिन्दु की दूरी माप कर ज्ञात कीजिए।
प्रश्न 2) 1. 4 सेमी का एक रेखाखण्ड PQ खींचिए। इसके लम्बार्द्धक कीजिए जो रेखा PQ को बिन्दु D पर काटे, क्या PD=QD है? पुनः PD त्रिज्या का एक वृत्त खींचिए और देखिए क्या यह वृत्त बिन्दु P और Q से होकर जा रहा है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों हमनें निर्मेय 1 में दिए गये रेखाखंड को समद्विभाजित करना सीखा।
अब हम दिए कोण के बराबर कोण बनाना सीखेंगे।

निर्मेय 2:- दिए हुए कोण के बराबर कोण की रचना करना।
ज्ञात है : कोण BAC

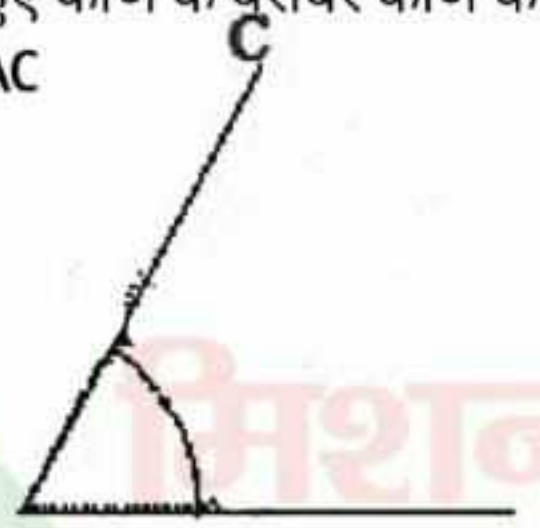

रचना करनी है : ∠BAC बराबर कोण की। जिसका मान ज्ञात नहीं है।
रचना के चरण : 1. एक रेखा खंड PQ खींचिए।

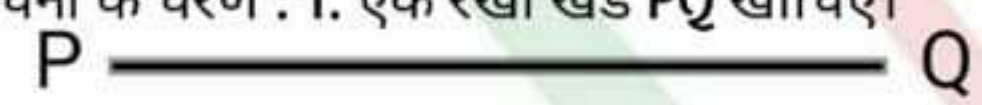

2. दिए हुए कोण ABC के शीर्ष A को केन्द्र मान कर किसी त्रिज्या को लेकर एक चाप खींचिए जो रेखाखंड AB तथा AC को क्रमश: बिन्दुओं E और F पर काटता है।

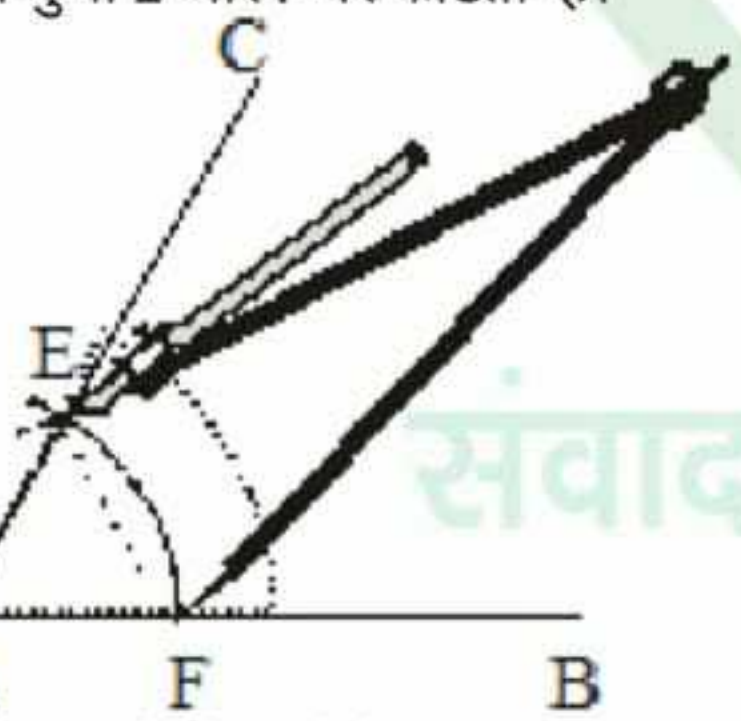

3. इसी त्रिज्या या दूरी से P को केन्द्र मान कर एक चाप RS खींचिए।

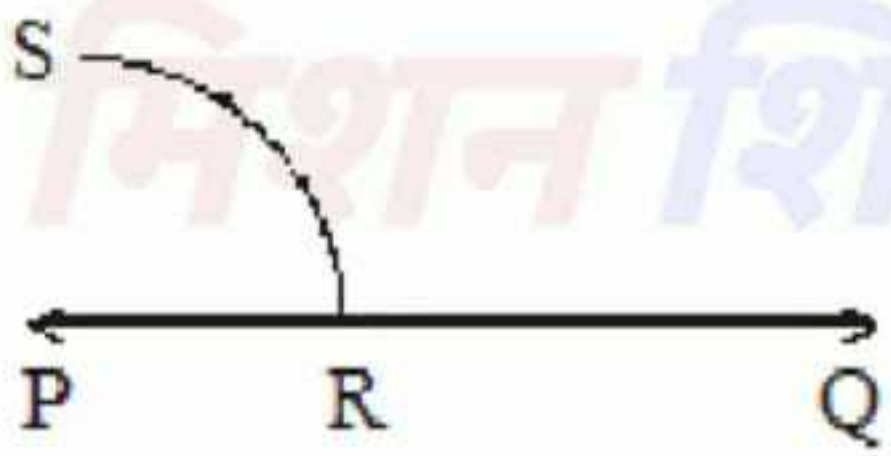

4. अब परकार में EF दूरी लीजिए। R को केन्द्र मानकर EF दूरी के बराबर एक चाप खींचिए जो पूर्व चाप RS को एक बिन्दु M पर काटता है।

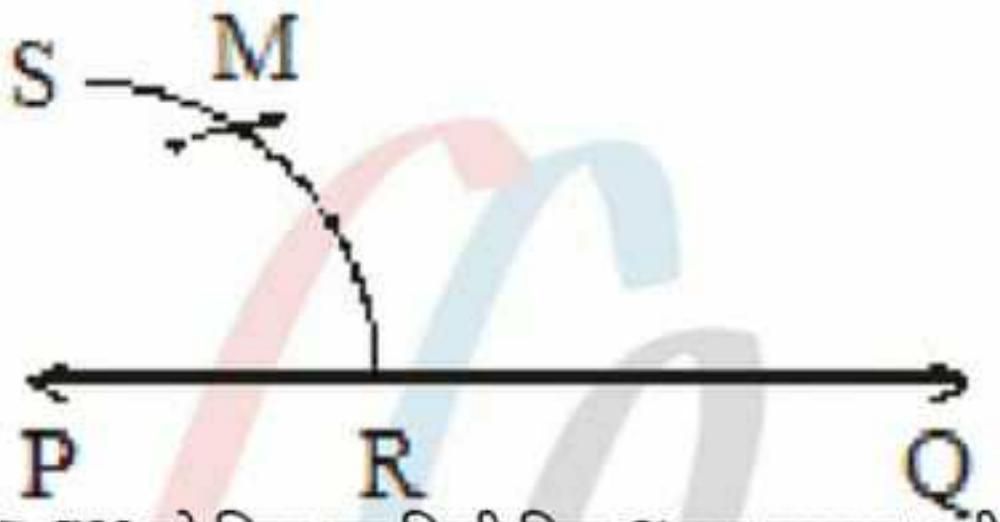

5. PM को मिला कर किसी बिन्दु N तक बढ़ाइए। यही कोण QPN दिए हुए कोण BAC के बराबर होगा।

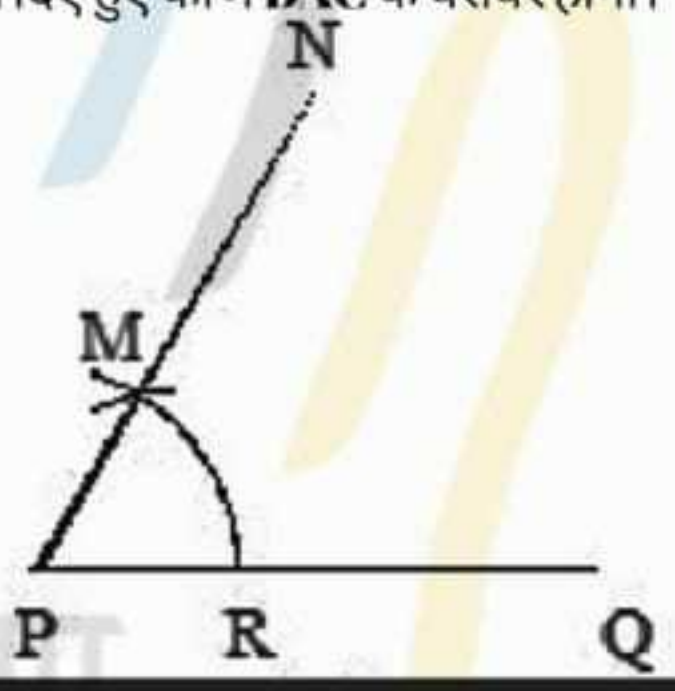

अभ्यास कार्य 25

अपनी अभ्यास पुस्तिका पर बिना नापे कोई कोण PQR बनाकर पटरी परकार की सहायता से उसके बराबर कोण AB रेखा खण्ड पर खींचिए।

अभ्यास कार्य 24 का हल

प्रश्न 1)

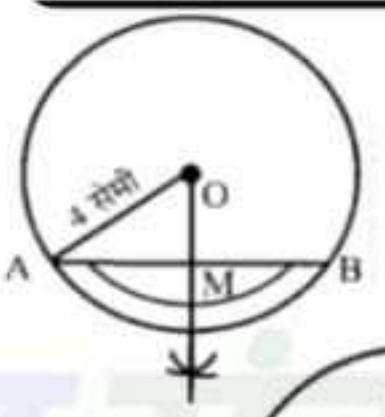

प्रश्न 2)

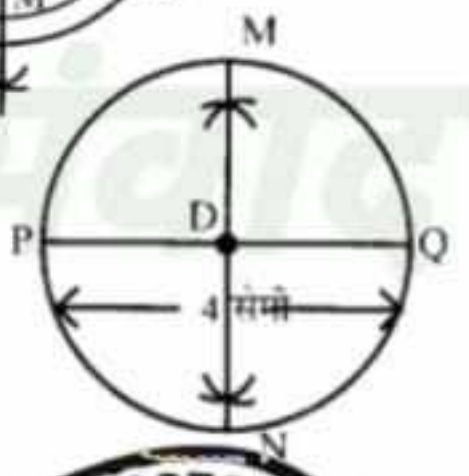

9458278429

विषय- सामाजिक विषय भूगोल पाठ- पृथ्वी की आंतरिक संरचना कक्षा -7

प्रकरण- पृथ्वी की आंतरिक संरचना क्रमांक - 21

मिशन शिक्षण संवाद

हमारे सौरमंडल की उत्पत्ति लगभग 5 अरब वर्ष पहले हुई। सौरमंडल के आठ ग्रहों में हमारी पृथ्वी भी एक ग्रह है। उत्पत्ति के समय पृथ्वी गर्म गैसों और धूल के कणों से बनी। करोड़ों वर्ष बाद पृथ्वी का वायुमंडल बना और घनघोर वर्षा के फलस्वरूप धीरे-धीरे पृथ्वी की ऊपरी परत ठंडी हुई परंतु आज भी पृथ्वी अंदर से गर्म है।

हमारी पृथ्वी की आंतरिक संरचना की तुलना प्याज से की जा सकती है। पृथ्वी में भी प्याज की तरह कई परतें हैं, जो भिन्न-भिन्न मोटाई की हैं।

हमारी पृथ्वी अन्दर से तीन परतों में विभाजित है- भूपर्पटी, मैण्टल और क्रोड।

भूपर्पटी (Earth crust)-

पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत को भूपर्पटी कहते हैं। यह पृथ्वी की सबसे पतली ठोस परत है। भूपर्पटी की मोटाई विभिन्न स्थानों पर भिन्न-भिन्न होती है। समुद्र की तलहटी का निर्माण करने वाली भूपर्पटी प्राय: 4 से 7 किलोमीटर मोटी होती है, जबकि महाद्वीपों की भूपर्पटी औसत रूप से 35 किलोमीटर तक मोटी है। चट्टानें और मिट्टियाँ इस भूपर्पटी की सबसे ऊपरी परत का निर्माण करती हैं। सिलिका (Si) एवं एल्यूमिनियम (Al) पदार्थों की अधिकता के कारण इस परत को सियाल (Sial) भी कहा जाता है।

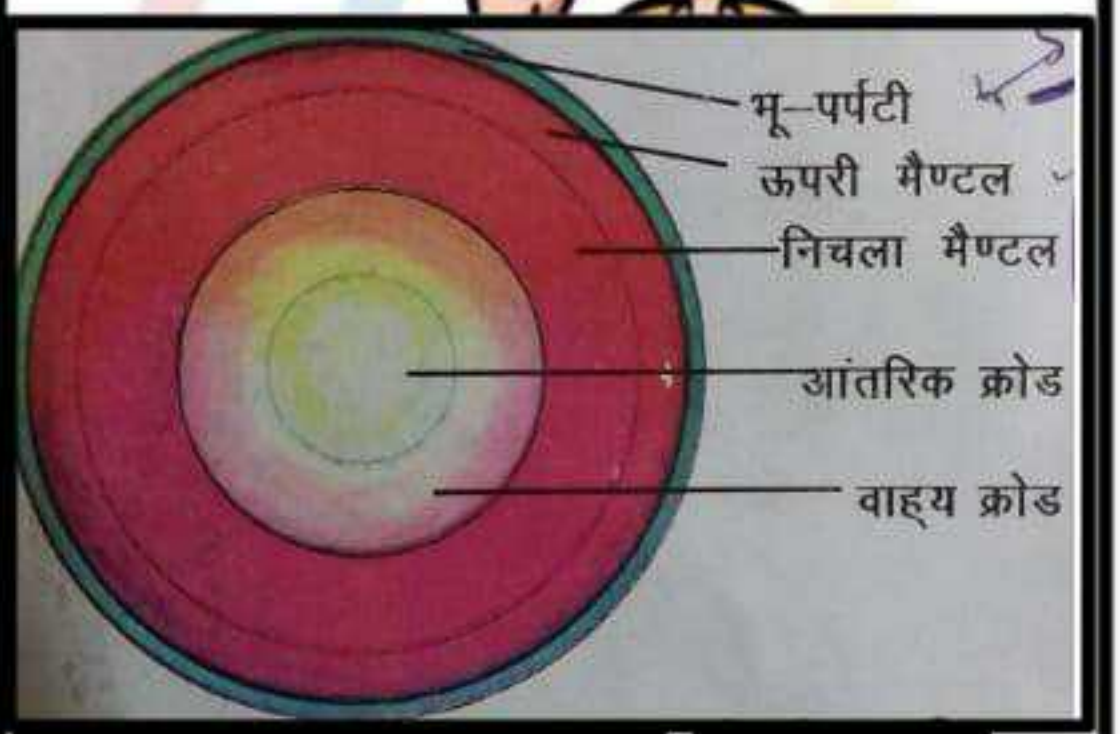

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 सौरमंडल की उत्पत्ति कब हुई?
प्रश्न 2 पृथ्वी के आंतरिक संरचना की तुलना किससे की जाती है?
प्रश्न 3 पृथ्वी के सबसे निकटतम ग्रह का नाम क्या है?
प्रश्न 4 पृथ्वी कितनी परतों में विभाजित है?
प्रश्न 5 पृथ्वी की ऊपरी परत को क्या कहते हैं?
प्रश्न 6 भूपर्पटी किन पदार्थों से मिलकर बनी है?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-सुनीता यादव श्रावस्ती

विषय- उर्दू　　पाठ- इंसाफ़ कहां है　कक्षा -7

प्रकरण- **व्याकरण**　　क्रमांक- **23**

मिशन शिक्षण संवाद

क़वायद (व्याकरण)　　قواعد

بچو آپ نے اس سبق میں طنز و مزاح فن سے کس طرح معاشرے کی برائی کی اصلاح کی جاتی ہے سمجھا۔ آج میں آپ کو اس سبق میں جو قواعد دی گئی ہے اس سے روشناس کراؤ نگا

बच्चों आपने इस सबक़ में तंज़ व मज़ह (हास्य व्यंग) फन से किस तरह मुआशरे (समाज) की बुराई की इस्लाह(भूल सुधार) की जाती है समझा। आज मैं आपको इस सबक में जो क़वायद दी गई है उससे रोशनास(प्रबोधन) कराऊंगा।

مشق

اندھیرے گھر کا اجالا۔تین میں نہ تیرہ میں۔دریا کو کوزے میں بند کرنا۔

مندرجہ بالا محاوروں کا مطلب بتائیں اور انکو اپنے جملوں میں استعمال کریں

अभ्यास कार्य

अंधेरे घर का उजाला। तीन में न तेरह में। दरिया को कूज़े में बन्द करना।

उपरोक्त वाक्य का अर्थ बताएं और अपने वाक्यों में प्रयोग करें।

आइए आपको इस्म की 2 इक़साम(प्रकार) के बारे में बताते हैं।

(1)इस्म फेल (संज्ञा) जो किसी खास आदमी जगह या चीज का नाम हो तो उसे इस्म फेल कहते हैं। जैसे हामिद, गंगा, ताजमहल वगैरह याद रखिए यह नाम किसी खास आदमी का नाम है गंगा किसी खास नदी का नाम है ताजमहल ख़ास इमारत है तो हामिद, गंगा, ताजमहल इस्म म्आरफ़ा कहलाएंगे।

(2)इस्म नकरह(आम संज्ञा)
वह इस्म आम लफ्जों में बोले जाते हैं उन्हें इस्म नकरह कहलाते हैं। जैसे आदमी जा रहा है। बकरी चल रही है। क्योंकि आदमी किसी खास आदमी का नाम नहीं आदमी हर आदमी को कहा जाता है। बकरी चरती है बकरी किसी ख़ास बकरी का नाम नहीं हर बकरी को बकरी कहा जाएगा। वह इस्म जो इस तरह की तमाम चीजों के लिए बोला जाए इस्म नकरह कहलाता है।

آئیے آپ کو اسم کی دو اقسام کے بارے میں بتاتے ہیں۔

(1)اسم فعل:جو کسی خاص آدمی،جگہ،یا چیز کا نام ہو۔جیسے:حامد،گنگا،تاج محل وغیرہ۔ یاد رکھیں کہ مندرجہ بالا نام کسی خاص انسان یا جگہ کے نام ہیں۔تو یہ خاص لفظ اسم معرفہ کہلائیں گے۔

اسم نکرہ:وہ اسم جو عام لفظوں میں بولے جاتے ہیں اسم نکرہ کہلاتے ہیں۔ جیسے آدمی جا رہا ہے۔ بکری چل رہی ہے۔ کیونکہ آدمی کسی خاص آدمی کا نام نہیں آدمی ہر آدمی کو کہا جاتا ہے۔ بکری چرتی ہے۔ بکری کسی خاص بکری کا نام نہیں ہر بکری کو بکری کہا جائے گا۔ وہ اسم جو اس طرح کی تمام چیزوں کے لیے بولا جائے اسم نکرہ کہلاتا ہے۔

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ां

विषय- उर्दू | पाठ- हिम्मत ए मर्दां | कक्षा -7

प्रकरण- **नज़्म** | क्रमांक- **24**

मिशन शिक्षण संवाद

शायर का तआरुफ़ (परिचय)

شاعر کا تعارف

مولانا محمد حسین آزاد اردو کے مشہور ادیب اور شاعر تھے۔ انہوں نے بچوں کے لئے بہت مفید نظمیں لکھی ہیں۔ "ہمت مرداں"ان کی مشہور نظم ہے، جس کو پڑھ کر قلب میں ایسی ہمت پیدا ہوتی ہے کہ مشکل سے مشکل کام بھی آسان معلوم ہونے لگتا ہے۔ "آب حیات" "درباراکبری" "نیرنگ خیال" نثر میں ان کی مشہور کتابیں ہیں۔ ان کا انتقال **1910**عیسوی میں ہوا۔ مولانا اس نظم کے شروع میں ہمیں امید دلا رہے ہیں کہ سامنے منزل ہے آپ آگے بڑھو چاہے راہ میں سمندر بھی ہو چاہے بیابان جنگل مگر تم ہمت سے آگے ہی بڑھتے رہو۔

मौलाना मोहम्मद हुसैन आजाद उर्दू के मशहूर(प्रसिद्ध) अदीब और शायर थे। उन्होंने बच्चों के लिए बहुत मुफीद(फ़ायदे मन्द) नज़्में लिखी हैं। हिम्मत ए मर्दां उनकी मशहूर नज़्म है। जिसको पढ़ कर कुलूब (दिलों में) में ऐसी हिम्मत पैदा होती है कि मुश्किल से मुश्किल काम भी आसान मालूम होने लगता है। "आबे हयात" "दरबार ए अकबरी" "नेरंग ए खयाल" नस्र(गद्य) उनकी मशहूर किताबें हैं उनका इंतकाल 1910ई० में हुआ। मौलाना इस नज़्म के शुरू में हमें उम्मीद दिला रहे हैं कि सामने मंजिल है आप आगे बढ़ो चाहे राह में समुंदर भी हो चाहे बियाबान जंगल मगर तुम हिम्मत से आगे ही बढ़ते रहो।

अभ्यास कार्य

مشق

शब्द=अर्थ
मुफ़ीद=फ़ायदे मन्द
क़ुलूब=क़ल्ब का बहुवचन (दिल)
बाग़ ए मुराद=उम्मीद का फूल
समर=फल
बयाबां=वीराना

الفاظ=معنی
مفید=فائدے مند
قلوب=قلب کی جمع (دل)
باغ مراد=امید کا پھول
ثمر=پھل
بیاباں=ویران

प्रश्न,,इस नज़्म के शायर का नाम बताएं।
प्रश्न,,इस नज़्म को पढ़कर दिल में क्या पैदा होती है?
प्रश्न,, मौलाना की और कौन कौन सी तसानीफ़(रचनाएं) हैं?
प्रश्न,, मौलाना का इंतक़ाल कब हुआ?

سوال۔۔اس نظم کے شاعر کا نام بتائیں۔
سوال۔۔اس نظم کو پڑھکر ہمارے دل میں کیا پیدا ہوتی ہے؟
سوال۔۔مولانا کی اور کون کون سی تصانیف ہیں؟
سوال۔۔مولانا کا انتقال کب ہوا؟

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ां

विषय- उर्दू　　　पाठ-हिम्मत ए मर्दा　कक्षा -7

प्रकरण- **नज़्म**　　　क्रमांक- 25

मिशन शिक्षण संवाद

नज़्म का खुलासा (कविता का सारांश)

نظم کا خلاصہ

ہے سامنے کھلا ہوا..........ہمت مرداں چلے چلو

بچوں کل ہم نے آپ کو شاعر کا تعارف کرایا اور نظم سے بھی متعارف کرایا تھا۔ آج ہم آپ کو نظم کا خلاصہ یعنی شاعر ہمیں نظم میں کیا پیغام دے رہا ہے بتائیں گے۔ شاعر کہتا ہے کہ سامنے کھلا ہوا میدان ہے آپ کے منزل کے درمیان راہ میں کیسی بھی رکاوٹیں ہوں مگر آپ بڑھتے ہی رہیں۔ کیونکہ اس پرآشوب دور میں چلنا ہی ہماری مصلحت ہے دہشت زدہ پہاڑ اور اس کے دامن میں پھول ہیں تم ان دہشت زدہ پہاڑوں سے مت ڈرو، بلکہ کبک دری کی طرح چلتے رہو۔ شاعر آگے کہتا ہے کہ تم اب کس کا انتظار کر رہے ہو میدان عزم کے شہسوار ہو تمہیں کامیاب ہو جاؤ گے اگر جدوجہد کرو گے۔ ہمت مرداں چلا رہی ہے تم آگے بڑھتے رہو۔

बच्चों कल हमने आपको शायर का परिचय कराया और कविता से भी मुतारिफ़ (परिचय) कराया था। आज हम आपको नज़्म का खुलासा यानी सारांश शायर हमें नज़्म में क्या पैगाम दे रहा है बताएंगे। शायर कहता है कि सामने खुला हुआ मैदान है आपके मंजिल के दरमियान राह में कैसी भी रुकावटें हूं मगर आप बढ़ते ही रहे क्योंकि इस पुर आशूब दौर में चलना ही हमारी मसलहत है जैसे दहशत ज़दह पहाड़ और उसके दामन में फूल हैं। तो इन दहशत ज़दह पहाड़ों से मत डरो बल्कि कबके दरी की तरह चलते रहो शायर आगे कहता है कि तुम आखिर किसका इंतजार कर रहे हो मैदान ए अज़्म के तुम शहसवार हो तुम ही कामयाब हो जाओगे अगर जद्दोजहद करोगे हिम्मते मर्दा चिल्ला रही है तुम आगे बढ़ते रहो।

ترتیب **24** کے جواب
(1) محمد حسین آزاد
(2) ہمت پیدا ہوتی ہے
(3) آب حیات،دربار اکبری
(4)1910 عیسوی میں

मश्क़ / مشق

अभ्यास कार्य

الفاظ=معنی
دہشت=ڈر
نسرین و نسترن=ایک قسم کا گلاب
موج زن=طوفان خیز
دشت=ریت کا میدان
کبک دری=برفانی چکور
یمین و یسار=دائیں،بائیں

शब्द=अर्थ
दहशत=डर
नसरीन व नसतरन=एक क़िस्म का गुलाब का फूल
मौजे ज़न=तूफ़ान ख़ेज़
दश्त=रेत का मैदान
कबके दरी=बर्फानी चकोर
यमीन व यसार=दायें बायें

क्रमांक 24 के उत्तर
(1) मोहम्मद हुसैन आजाद
(2) हिम्मत पैदा होती है
(3)आबे हयात,दरबारे अकबरी
(4)1910ईसवी में

سوال۔۔بچو کل ہم نے آپ کو کس کا تعارف کرایا تھا؟
سوال۔۔راہ میں اگر مشکلیں آئیں تو ہمیں کیا کرنا چاہیے؟
سوال۔۔میدان عزم کے شہسوار کون ہیں؟

प्रश्न,, बच्चो कल हमने आपको किस का परिचय कराया था?
प्रश्न,,रास्ते में अगर मुश्किल आएं तो हमें क्या करना चाहिए?
प्रश्न,,मैदाने अज़्म के शहसवार कौन हैं?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ां

विषय- संस्कृत | पाठ- षष्ठ:.पाठः | कक्षा - 7

प्रकरण- प्रयत्ने किं न लभते | क्रमांक- 23

मिशन शिक्षण संवाद

प्रथम अन्विति

जीवने नास्ति किमपि असाध्यम्। प्रयत्नेन सर्वं खलु साध्यम् इति। कर्मनिष्ठाः जनाः विषमपरिस्थितौ स्वकर्तव्यपथात् विचलिताः न भवन्ति। ऐतेशु कर्मवीरेषु सुधाचन्द्रन्-भागवत सुब्रह्मण्यम चन्द्रषेखर-स्टीफन हाकिंग्समहोदयानां जीवनम् अस्माकं कृते प्रेरणादायकमस्ति।

शब्दार्थाः-
नास्ति- नहीं है,
किमपि- कुछ भी,
खलु-निश्चय ही,
कर्तव्यपथात्- कर्तव्य पथ से,
पादभङ्ग- पैर टूट गया,
मणिबन्ध- कलाई

हिन्दी अनुवाद- जीवन में कुछ भी कठिन नहीं है। निश्चय ही प्रयत्न करने से सब कुछ सम्भव है। कर्मनिष्ठ लोग विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते हैं।ऐसे कर्मवीरों में सुधाचन्द्रन, भागवत सुब्रह्मण्यम चन्द्र शेखर, स्टीफन हाकिंग्स महोदय का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक है।

द्वितीय अन्विति

सुधाचन्द्रन् महोदया एका प्रसिद्धा नृत्यकलानिपुणा अभिनेत्री अस्ति। अस्याः जन्म तमिलभाषी परिवारे अभवत्। बाल्यकालादेव सा नृत्याभ्यासं प्रारभत्। दुर्भाग्यवषात् एकस्यां दुर्घटनायां तस्याः दक्षिणपादः भङ्गः अभवत्। प्राणरक्षायै चिकित्सकैः तस्याः दक्षिणपादं षरीरात् पृथक कृतम्। शनैः शनैः सा स्वस्था अभवत्। आत्मबलेन कृत्रिमपादस्य सहाय्येन सा पुनः नर्तनम् आरब्धवती। इदानीं नर्तने अभिनये च तस्याः कीर्तिः राजते।

हिन्दी अनुवाद- सुधाचन्द्रन महोदया एक प्रसिद्ध नृत्यकला में निपुण अभिनेत्री हैं। इनका जन्म तमिल भाषी परिवार में हुआ। बचपन से ही इन्होंने नृत्य का अभ्यास प्रारम्भ कर दिया। दुर्भाग्यवश एक दुर्घटना में इनका दायाँ पैर टूट गया। प्राण रक्षा के लिए चिकित्सकों द्वारा उनका दाया पैर शरीर से अलग कर दिया गया। धीरे-धीरे वे स्वस्थ हुई। अपने आत्मबल से कृत्रिम पैर की सहायता से इन्होंने पुनः नृत्य करना आरम्भ कर दिया। अब नृत्य करने व अभिनय में इनकी कीर्ति फैल रही है।

अभ्यासः-1

एक पदेन उत्तरत-

(क) सुधा चंद्रन महोदयायाःजन्म कस्मिन परिवारे अभवत्?

उत्तर- तमिल भाषी परिवारे।

(ख) कस्या कलायां सा अपूर्वा प्रतिभां प्राप्तवत्ती?

उत्तर- नृत्यकलायां।

2- मजूषातः पदानि चित्वा वाक्यानि पूरयत-

(क) सुधाचन्द्रन् महोदया एका सुप्रसिद्धा नृत्यकला निपुणा अभिनेत्री अस्ति।

(ख) इदानीं तस्याः कीर्तिः नर्तने अभियने च राजते।

गृहकार्यः-
👉 बच्चे पढ़ें, समझें व उत्तरपुस्तिका पर याद करके लिखें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित kgbv kasganj

विषय- संस्कृत   पाठ- षष्ठ: पाठः   कक्षा - 7
प्रकरण- प्रत्येन किं न लभेत   क्रमांक- 24

मिशन शिक्षण संवाद

तृतीय अन्विति

भागवत सुब्रमण्यम चन्द्रशेखरः

भारतीय क्रिकेटक्रीडायां 'स्पिन' इति कलायाः ऐन्द्रजालिकम् भागवतचन्द्रशेखरं को न जानाति। अस्य जन्म कर्णाटक प्रान्तस्य मैसूर नगरे 17 मई 1945 तमे वर्षे अभवत्। शैशवे एव चन्द्रशेखरः 'पोलियो' इति व्याधिना ग्रस्तः। येन दक्षिणहस्तस्य मणिबन्धः अत्यन्तं प्रभावितोऽभवत्। किन्तु आत्मबलेन क्रिकेटस्पर्धायां कन्दुकक्षेपविधौ तथा निष्णातः अभवत् येन क्रिकेटक्रीडा जगति स 'स्पिन्' कलायाम् अद्वितीयः जातः। चन्द्रषेखरः अष्टपंचाषत् (58) टेस्ट स्पर्धासु द्विचत्वारिंषदधिकंषतद्वयम् (242) विकेटं गृहीतवान्। अयं भारतसर्वकारेण 'पद्मश्रीः' इति अलङ्.करणेन अर्जुन पुरस्कारेण च विभूषितः।

शब्दार्थाः

ऐन्द्रजालिकम्- जादूगर, मणिबन्ध-कलाई, व्याधिना- रोग से, निश्णातः- निपुण(दक्ष), अष्टपंचाशत्- अट्ठावन, द्विचत्वारिंशतधिकवंशतद्वयम्- दो सौ बयालीस

हिन्दी अनुवाद- भारतीय क्रिकेट खेल में 'सि्पन' कला के जादूगर भागवत चन्द्र शेखर को कौन नहीं जानता है?इनका जन्म कर्नाटक राज्य के मैसूर नगर में 17 मई, सन् 1945 में हुआ। बचपन से ही चन्द्र शेखर 'पोलियो' रोग से ग्रस्त थे। जिसके कारण उनकी दाहिने हाथ की कलाई अत्यन्त प्रभावित हुई किन्तु अपने आत्मबल से क्रिकेट की स्पर्धा में गेंदबाजी में इतने कुशल हुए जिससे क्रिकेट खेल जगत में वे ' स्पन' कला में अद्वितीय हो गए। चन्द्र शेखर ने 58 टेस्ट स्पर्धाओं में 242 विकेट लिए। यह भारत सरकार के द्वारा 'पदमश्री' सम्मान और अर्जुन पुरुस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

अभ्यासः

प्रश्नः–भागवत सुब्रमण्यम चन्द्रशेखरः केन अलंकरणेन पुरस्कारेण सम्मानितः?

उत्तरः–भागवत सुब्रमण्यम चन्द्रशेखरः' पद्मश्रीः' इति अलंकरेण ' अर्जुन' पुरस्कारेण च विभूषितः।

प्रश्नः– चन्द्रशेखरः टेस्टस्पर्धासु कति विकेट गृहीतवान्?

उत्तरः– द्वितत्वारिंशदधिवंशतद्वयम्।

संधिविच्छेदः कुरुत-

(क) पृथक्कृतम् - पृथक् + कृतम्
(ख) स्वात्मबलेन - स्व ± आत्मबलेन
(ग) प्रभावितोऽभवत् - प्रभावितः + अभवत्
(घ)रुग्णस्यापि - रूग्णस्य + अपि

रचनात्मक कार्यः

👉 अपनी उत्तर पुस्तिका में याद करके लिखें।
👉 क्रिकेट खेलने का अभ्यास करते रहें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

रचनात्मक अभ्यासः

आया दिन शनिवार का, गतिविधि के आधार का

(1) आइए! कुछ बात करें-

बच्चों! जीवन में संघर्ष से ही सफलता प्राप्त होती है। परिश्रम का पसीना जितना बहेगा सफलता निश्चित ही उतनी ही रंग लायेगी।स्वस्थ शरीर देकर ईश्वर ने हम पर बहुत अनुकम्पा की है; पर सोचिए जिनका शरीर क्षत - विक्षत हो जाए पर फिर भी वह हार नहीं मानते हैं। अदम्य साहस व शक्ति के बल पर असाध्य बीमारियों से जूझते हुए वह एक मुकाम हासिल कर इस संसार में
नई इबारत गढ़ते हैं।

बच्चों! हमें भी अपनी इच्छाशक्ति से असम्भव से असम्भव कार्य करने की क्षमता रखनी चाहिए क्योंकि उड़ान पंखों में नहीं हौसलों में होती है।

2- चित्र देखकर इन्हें पहचानें व नाम याद रखें-

सुधाचन्द्रन

स्टीफन हॉकिंग्स

भागवत सुब्रमण्यम चन्द्र शेखरः

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित kgbv kasganj
9458278429